राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार13नवम्बर2020 वर्ष–3, अंक–287 पृष्ठ–08, मुल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पशुधन फर्जीवाड़ा

निलंबित डीआईजी की अग्रिम जमानत पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

लखनऊ। पशुपालन विभाग में हुए करोड़ों रुपये के फर्जीवाड़े में फंसे निलम्बित डीआईजी अरविन्द सेन की अग्रिम जमानत याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में बुधवार को भी सुनवाई हुई। सुनवाई के पश्चात न्यायालय ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की अग्रिम सुनवाई 26 नवम्बर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक चौधरी की एकल सदस्यीय पीठ ने दिया। बुधवार को मामले पर अहस के दौरान सरकारी वकील ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय दिये जाने का अनुरोध किया, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। याचिका पर 10 नवम्बर को भी सुनवाई हुई थी। उल्लेखनीय है कि सत्र न्यायालय से अरविंद सेन की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज हो चुकी है।

इस मामले में 13 जून 2020 को इंदौर के व्यापारी मंजीत सिंह भाटिया ने हजरतंगज कोतवाली में दर्ज करायी थी। इस मामले में 10 अभियुक्तों को नामजद किया गया था। इस मामले में सिपाही दिलबहार यादव अभी भी फरार है। उसकी सम्पत्ति कुर्क करने की कवायद पुलिस ने शुरू कर दी है। वहीं इस मामले के बाद सामने नमक फर्जीवाड़े के आरोपी मोंटी गूर्जर को पुलिस रिमाण्ड पर लेकर पूछताछ करेगी। इसकी भी कवायद चल रही है।

एलएसी पर जल्द खत्म होंगे भारत-चीन के बीच जारी गतिरोध, मोदी सरकार ने बनाई योजना

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत-चीन के बीच विगत छह माह से जारी गतिरोध खत्म होने के आसार अब नजर आने लगे हैं। दोनों देशों के बीच एक प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है जिसके तहत तीन चरणों में दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटेंगी और एलएसी पर मई से पहले की स्थिति बहाल होगी। सेना के सूत्रों ने बताया कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच बनी सहमति के बाद तीन चरणों में सेनाओं को पीछे हटाने पर सहमति बन चुकी है। उम्मीद है कि सैन्य कमांडरों की जल्द होने वाली नौवें दौर की बैठक में इस प्रस्ताव पर दोनों देशों की मुहर लग जाएगी।

प्रस्ताव में क्या-सूत्रों के अनुसार,

इस प्रस्ताव के तहत पहले चरण में दोनों देश एलएसी पर जमा टैंकों, तोपों आदि रक्षा साजो सामान को पीछे हटाएंगे। दूसरे चरण में चीनी सेना फिंगर आठ तक पीछे हटेगी। अभी वह फिंगर-4 के करीब के कुछ इलाकों में मौजूद है। जबकि भारत फिंगर-2 तक पीछे हटेगा, जहां वह मई से पहले की स्थिति में मौजूद था। इसके बाद तीसरे चरण में दोनों देशों की सेनाएं विवाद वाले स्थानों से पीछे हटेंगी।

एक चरण के सफल होने के बाद दूसरा चरण शुरू होगा-प्रस्ताव के तहत दोनों देशों की सेनाएं एक तय प्रक्रिया के तहत एक दूसरे द्वारा उठाए जा रहे कदमों की निगरानी करेंगी। एक चरण के सफल होने के बाद ही दूसरे चरण पर आगे बढ़ा जाएगा। प्रस्ताव के तहत निगरानी के लिए एक संयुक्त निगरानी तंत्र भी विकसित किया जाएगा, जिसमें सैन्य एवं विदेश मंत्रालय के अधिकारी शामिल किए जाएंगे।

दोनों देशों के 50-50 हजार जवान तैनात- दोनों देशों के 50-50 हजार जवान एलएसी और इसके करीब के क्षेत्रों में एकत्र हैं तथा कुछ स्थानों पर सेनाएं 300 मीटर की दूरी पर आमने-सामने मौजूद हैं। भारत ने कई चोटियों पर पोजीशन ले रखी है। पूर्वी लद्दाख के इन क्षेत्रों में सर्दियां दस्तक दे चुकी है तथा पारा -20 डिग्री तक नीचे जा चुका है। दोनों देशों की सेनाओं के रोटेशन भी शुरू हो चुके हैं जिसमें एक निश्चित अवधि के बाद जवानों को बदल दिया जाता है। क्योंकि लगातार ऊंचाई और सर्द इलाकों में सैनिकों को ज्यादा समय तक तैनात नहीं किया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि यदि अगले सप्ताह होने वाली बैठक में इस प्रस्ताव पर दोनों देशों के सैन्य कमांडर हस्ताक्षर करते हैं तो फिर एक महीने के भीतर दिसंबर मध्य तक एलएसी पर शांति कायम हो सकती है तथा मई से पूर्व की स्थिति बहाल हो सकती है।

वैचारिक मतभिन्नता के कारण निशाना बनाना गलत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकारें वैचारिक मतभिन्नता के कारण यदि लोगों को निशाना बनाती हैं, तो उन्हें यह बात मालूम होनी चाहिए कि नागरिकों की आजादी की रक्षा के लिए देश का शीर्ष न्यायालय मौजूद है। वह इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ कि पीठ ने कहा कि यदि इस तरह से किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित किया जाता है तो यह न्याय का मजाक बनाना होगा। पीठ ने रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्नब गोस्वामी को अंतरिम जमानत देने का आदेश देते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया।

हाईकोर्ट आजादी रक्षा में विफल हो रहे हैं

पीठ ने कहा, हम देख रहे हैं कि एक के बाद एक ऐसा मामला आ रहा है, जिसमें हाईकोर्ट जमानत नहीं दे रहे हैं और वे लोगों की स्वतंत्रता, निजी स्वतंत्रता की रक्षा करने में विफल हो रहे हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार से जानना चाहा कि क्या गोस्वामी को हिरासत में लेकर पूछताछ की कोई जरूरत थी। यह व्यक्तिगत आजादी से जुड़ा मामला है। भारतीय लोकतंत्र असाधारण तरीके से लचीला है और महाराष्ट्र सरकार को इन सबको (टीवी पर अर्नब के तने और व्यंग्य) नजरअंदाज करना चाहिए।

पसंद नहीं तो चैनल न देंखें

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, उनकी जो भी विचारधारा हो, कम से कम मैं तो उनका चैनल नहीं देखता। लेकिन, यदि संवैधानिक

न्यायालय आज इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा, तो हम निर्विवाद रूप से बर्बादी की ओर बढ़ रहे होंगे। सवाल यह है कि क्या आप इन आरोपों के कारण व्यक्ति को उसकी व्यक्तिगत आजादी से वंचित कर देंगे। आप टेलीविजन चैनल को नापसंद कर सकते हैं।

कोर्ट भी आलोचना भुगतते हैं

राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पीठ ने सवाल किया, क्या धन का भुगतान नहीं करना, आत्महत्या के लिए उकसाना है। यह न्याय का उपहास होगा यदि प्राथमिकी लंबित होने के दौरान जमानत नहीं दी जाती है। उच्च न्यायालय इस तरह के मामलों में कार्यवाही नहीं करेंगे तो व्यक्तिगत स्वतंत्रता पूरी तरह नष्ट हो जायेगी। हम इसे लेकर बहुत ज्यादा चिंतित हैं। हम इस तरह के मामलों में कार्रवाई नहीं करेंगे तो यह बहुत ही परेशानी वाली बात होगी। जस्टिस चंद्रचूड ने कहा कि हमारी भी फैसलों के लिये तीखी आलोचना हो रही है। मैरे ला क्लर्क कहते हैं कि सर कृपा करके ट्वीट्स मत देखें।

अर्नब के वकील ने क्या दलील दी

अर्नब के वकील हरीश साल्वे ने कहा, यह सामान्य मामला नहीं था और संवैधानिक न्यायालय होने के नाते बंबई उच्च न्यायालय को इन घटनाओं का संज्ञान लेना चाहिए था। क्या यह ऐसा मामला है जिसमें अर्नब गोस्वामी को खतरनाक अपराधियों के साथ तलोजा जेल में रखा जाए ? मै आग्रह करूंगा कि यह मामला सीबीआई को सौंप दिया जाए और वह दोषी हैं तो उन्हें सजा दीजिए।

राज्य सरकार के वकील ने क्या दलील दी

राज्य सरकार की ओर से कपिल वरिष्ठ वकील सिब्बल ने कहा कि ऐसे मामलों में जमानत देने से गलत परंपरा स्थापित होगी। क्योंकि विस्तृत जांच कोर्ट के सामने नहीं है। उन्होंने कहा कि आप इस मामले में जमानत दे रहे हैं जबकि केरल एक मीडिया कर्मी को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया था। ये मीडिया कर्मी हाथरस कांड कवर करने जा रहा था। महाराष्ट्र के दूसरे वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई ने कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें न्यायालय को अंतरिम स्तर पर जमानत देने के लिए अपने असाधारण अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करना चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले

दुनिया में तैयार हो रही ताकत और असर की नई बिसात

नई दिल्ली। कोरोना वायरस जनित महामारी ने दुनिया में ताकत और प्रभाव नई पृष्ठभूमि तैयार कर दी है। यह स्थिति जटिल है। यह बात विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एशियन लीडरशिप कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कही है। जयशंकर ने कहा, कोविड के दौर में दुनिया के तमाम देशों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर अपनी परिभाषाएं बदली हैं। इन परिभाषाओं में अब खतरे वाले क्षेत्रों को बढ़ा दिया गया है। ज्यादातर देश अपनी आपूर्ति क्षमता का विकास कर रहे हैं। ऐसा वे आर्थिक विकास की गति तेज करने और अपना प्रभाव विकसित करने के लिए करना चाहते हैं। इसके चलते दुनिया के अब बहुध्रुवीय होने के संकेत हैं। बहुआयामी व्यवस्था को लेकर तनाव की स्थिति है।

विदेश मंत्री ने कहा, हममें से सभी इस तरह की स्थितियों को पसंद नहीं करते हैं। चूंकि पुरानी व्यवस्था खत्म हो रही है और नई व्यवस्था अभी तैयार नहीं हुई है। इसलिए दुनिया को लंबे समय का संक्रमण काल झेलना पड़ सकता है। नई कार्य स्थितियों और उभरने वाली ताकतों के बीच तालमेल बैठाना पड़ सकता है। विदेश मंत्री ने कहा, कोविड महामारी भी खुद में बड़ी समस्या के तौर पर कायम रह सकती है। इससे आर्थिक ढांचा प्रभावित होगा और उसी के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा बदलनी है। ऐसे में उदार और लचीलापन लिए आपूर्ति व्यवस्था पर जोर दिया जाना जरूरी है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद की स्थितियों का उल्लेख करते हुए जयशंकर ने कहा, उत्पादन और खपत की स्थितियों में भी बदलाव आने की उम्मीद है। इससे देशों की जीडीपी बदलेगी और प्रति व्यक्ति आय पर असर पड़ेगा। इतना ही नहीं इससे देशों की सांस्कृतिक और राजनीतिक स्थितियां भी बदलेंगी।

बिहार में फिर से नीतीशे सरकार!

16 नवंबर को ले सकते हैं मुख्यमंत्री पद की शपथ

पटना। बिहार में फिर एक बार नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं. विधानसभा चुनाव में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिला है. अब नीतीश कुमार दिवाली के बाद एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. सूत्रों की मानें तो 16 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है. नीतीश कुमार इस बार सातवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे. सबसे पहले साल 2000 में वो मुख्यमंत्री बने थे और तब से अबतक अलग-अलग मौकों पर वो शपथ ले चुके हैं.

अब नीतीश कुमार दिवाली के बाद एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. सूत्रों की मानें तो 16 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है. नीतीश कुमार इस बार सातवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे. सबसे पहले साल 2000 में वो मुख्यमंत्री बने थे और तब से अबतक अलग-अलग मौकों पर वो शपथ ले चुके हैं

पीएम मोदी ने बंद किया अटकलों का बाजार

चुनाव नतीजों में इस बार भारतीय जनता पार्टी एनडीए में बड़ा भाई बनी है। ऐसे में लगातार बीजेपी के कुछ नेता ऐसी मांग उठा रहे थे कि इस बार मुख्यमंत्री बीजेपी का ही बनना चाहिए. लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार शाम को बीजेपी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए साफ कर दिया कि बिहार में नीतीश कुमार की अगुवाई में ही एनडीए की सरकार बनेगी।

नीतीश ने किया पीएम मोदी का शुक्रिया

बुधवार देर शाम को नीतीश कुमार की ओर से चुनाव नतीजों पर पहली प्रतिक्रिया दी गई। उन्होंने लिखा कि जनता मालिक है और उन्होंने एनडीए को पूर्ण बहुमत दिया है. नीतीश कुमार ने इसी के साथ लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चुनाव के दौरान सहयोग के लिए शुक्रिया.

गौरतलब है कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 125 सीटें मिली हैं, इनमें से 74 भाजपा को, 43 जदयू, 4 हम और 4 VIP को सीटें मिली हैं। वहीं, तेजस्वी की अगुवाई वाला महागठबंधन सिर्फ 110 पर रुक गया. ऐसा करीब दो दशक के बाद हुआ है जब एनडीए में साथ रहते हुए बीजेपी की सीटें जदयू से अधिक हो।

दीपोत्सव कार्यक्रम में बदलाव, आज जगमाएगी राम की पैड़ी

अयोध्या। अयोध्या के दीपोत्सव कार्यक्रम में बदलाव हुआ है. अब 12 नवंबर को भगवान राम के आने का उल्लास मना तो 13 नवंबर को अयोध्या की राम की पैड़ी पर दीपोत्सव होगा। राम जन्मभूमि परिसर में पहली बार चार हजार दीपक जलाए जाएंगे. वहीं, राम की पैड़ी पर साढे पांच लाख दीपक जलाकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान राम की पैड़ी पर राम मंदिर और महिला सशक्तिकरण को प्रदर्शित करते रेखा चित्र दिखाई देंगे. दीपावली के दिन पूरी अयोध्या को रोशनी से जगमगाने की तैयारी है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट करके कहा कि अयोध्या में दीपावली पर संपन्न होने वाले 'दीपोत्सव-2020' को भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

सीएम ऑफिस से ट्वीट में कहा गया कि अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित 'लेजर शो' के माध्यम से भगवान श्री राम के अयोध्या आगमन का चित्रण किया जाएगा. आगमन के पश्चात नगरवासियों द्वारा उनके स्वागत में प्रज्ज्वलित किए गए दीपों की जगमगाहट के साथ ही उनकी प्रसन्नता और प्रभु श्री राम के स्वागत में किए गए आयोजन को भी दर्शाएगा.

सीएम ऑफिस के मुताबिक, इस वर्ष आयोजित होने वाले लेजर शो में जहां एक ओर प्रभु श्री राम की स्तुति 'श्री रामचन्द्र कृपालु भजमन' पृष्ठभूमि में सुनने को मिलेगी वहीं लेजर द्वारा वर्चुअल आतिशबाजी का कार्यक्रम 'दीपोत्सव-2020' एक प्रमुख आकर्षण होगा.

जम्मू-कश्मीर के एक तिहाई इलाकों में घोला जा रहा कट्टरपंथ का जहर

धार्मिक शिक्षण संस्थान सॉफ्ट टारगेट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के लगभग 33 फीसदी इलाकों में कट्टरपंथी संगठन अपनी गतिविधियों को तेजी से चला रहे हैं। दक्षिण कश्मीर सहित सूबे के अलग-अलग इलाकों में कट्टरपंथ (रेडिक्लाइजेशन) की कोशिश पर खुफिया रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए एजेंसिया एंटी रेडिक्लाइजेशन प्लान पर काम कर रही हैं। खुफिया सूत्रों ने कहा कि कट्टरपंथ फैलाने के लिए उन इलाकों को खासतौर पर लक्ष्य बनाया जा रहा है, जहां आतंकी संगठनों की गतिविधियां ज्यादा हैं। पुलवामा, शोपियां, अनंतनाग और कुलगाम में कट्टरपंथी तत्व और आतंकियों के बीच कनेक्शन भी खंगाला जा रहा है। धार्मिक संस्थान और शिक्षण संस्थान कट्टरपंथ के लिहाज से सॉफ्ट टारगेट हैं। खुफिया सूत्र मानते हैं कि जिहाद और कट्टरपंथ की आड़ में प्रदेश को अशांत करने वाला एक बड़ा समूह है, जो पर्दे के पीछे काम करता है और मौके पर सामने आता है। ऐसे सभी तत्वों को चिन्हित करने का प्रयास करते हुए उन्हें चेतावनी दी जा रही है। उन्हें आगाह करके सुधरने का मौका दिया जा रहा है। एक अधिकारी ने खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि कट्टरपंथ दक्षिण कश्मीर के अलावा उत्तर व मध्य कश्मीर में जमात के असर वाले इलाकों में चिंता का विषय है। अधिकारी ने कहा, हम ज्यादातर संदिग्ध लोगों को

एक मौका दे रहे हैं। उन्हें बताया जाता है कि उनके खिलाफ हर तरह के सबूत के बावजूद अभी कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा। अगर वे नहीं सुधार करते हैं तो मजबूरी में उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजना पड़ेगा। कट्टरपंथ की सबसे ज्यादा चपेट में दक्षिण कश्मीर के जिले हैं। खुफिया सूत्र मानते हैं कि कट्टरपंथी तत्व सीमापार से निर्देश लेकर धर्म और विचारधारा की आड़ में रेडिक्लाइजेशन का जहर पनपा रहे हैं। इनका अच्छा खासा नेटवर्क है।

सिरो सर्वे-दिल्ली के हर चौथे व्यक्ति में कोरोना से लड़ने वाले एंटीबॉडी मिले

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 25 फीसदी लोगों में कोरोना संक्रमण से लड़ने वाले एंटीबॉडी मिले हैं। दिल्ली में हालिया सिरो सर्वे में यह जानकारी सामने आयी है। यह सर्वे राजधानी के सभी जिलों में 15 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच किया गया था। इस दौरान 15,162 लोगों के सैम्पल लिए गए थे। इस सिरो सर्वे के मुताबिक राजधानी में लगभग हर चौथे व्यक्ति में कोरोना से लड़ने वाले एंटीबॉडी मिले हैं। इसका अर्थ है कि सर्वे में शामिल लगभग हर चौथा व्यक्ति कोरोना से न सिर्फ संक्रमित हो चुका है बल्कि इससे लड़ने वाले एंटीबॉडी भी उसके शरीर में मौजूद हैं। इससे पहले दिल्ली के दिल्ली के तीसरे सिरो सर्वे में भी 25.1 लोगों में ही कोरोना से लड़ने वाले एंटीबॉडी मिले थे। इससे भी पहले जुलाई में हुए सिरो सर्वे में 22.86 फीसदी लोगों में कोरोना से लड़ने वाले एंटीबॉडी मिले थे।

सेंट्रल दिल्ली में सबसे अधिक 49.38 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी मिले

इस सर्वे में सेंट्रल दिल्ली जिले में सबसे अधिक 49.38 फीसद, पूर्वी दिल्ली में 24.73 फीसद व दक्षिणी दिल्ली में 28.10 फीसद लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। शाहदरा जिले में

30.97 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी मिले हैं। सबसे कम नई दिल्ली जिले में सिर्फ 19.81 फीसदी लोगों में ही एंटीबॉडी मिले हैं।

पहले के मुकाबले एंटीबॉडी मिलने वाले लोगों की संख्या घटी

राजधानी दिल्ली में सितंबर माह में कोरोना संक्रमण को लेकर हुए तीसरे सिरो सर्वे में सिर्फ 25.1 फीसदी लोगों में ही एंटीबॉडी मिले हैं। दिल्ली में 1 से 7 सितंबर तक तीसरा सीरो सर्वे किया गया था। इसमें दिल्ली के सभी 11 जिलों से कुल 17 हजार से ज्यादा नमूने लिए गए थे। सर्वे के जरिये यह पता लगाया जाता है कि इस समय कितने फीसदी लोगों में संक्रमण के खिलाफ एंटीबॉडी बन चुकी है। इससे दिल्ली में कोरोना की स्थिति का विस्तारपूर्वक विश्लेषण किया जा सकेगा।

हर्ड इम्युनिटी बहुत दूर की बात- विशेषज्ञ

एम्स के प्रोफेसर नवल विक्रम का कहना है कि लोगों में एंटीबॉडी हमेशा नहीं रहते। उन्होंने कहा कि सम्भव है लोगों में एंटीबॉडी बनने के बाद कम हो गए हों। उन्होंने कहा कि हालिया सर्वे के नतीजों को देखकर लगता है हार्ड इम्यूनिटी अभी बहुत दूर है। इसके सहारे कोरोना को नहीं हराया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब तक वैक्सीन नहीं आ जाती है लोगों को लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते रहना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जिम्मेदारी का अहसास

यह सामान्य समझ का विषय है कि जब दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घातक प्रदूषण की चपेट में है और हम वैश्विक महामारी से जूझ रहे हैं तो पटाखे चलाने से स्थिति विकट ही होगी। इसी संकट को भांपते हुए दिल्ली, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, राजस्थान, सिक्किम, कर्नाटक आदि राज्यों ने एनजीटी के फैसले से पहले ही पटाखों पर रोक लगा दी थी। ऐसे में जब बीते सोमवार राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने दिल्ली-एनसीआर में 30 नवंबर तक पटाखे जलाने पर प्रतिबंध लगाया तो इन राज्यों की मंशा को ही विस्तार मिला। इसके साथ ही उन शहरों में भी पटाखे चलाने पर रोक रहेगी जहां बीते नवंबर वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक जा पहुंचा था। साथ ही जहां प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक नहीं है वहां दिवाली के दिन दो घंटे तक केवल ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति होगी। यहां ग्रीन पटाखों को परिभाषित करने और उनकी उपलब्धता की चुनौती भी होगी। निस्संदेह, एनजीटी ने सकारात्मक पहल की है लेकिन यदि समय से निर्णय लिया गया होता तो पटाखा विक्रेताओं को यह कहने का मौका नहीं मिलता कि वे पहले ही पटाखे खरीद चुके हैं, जिससे उनका भारी नुकसान होगा। बहुत संभव है कि निगरानी एजेंसियों की नजर बचाकर वे खरीदे पटाखे निकालने का प्रयास करें। देखा भी गया है कि पटाखों पर प्रतिबंध लगा देने के बावजूद रात्रि में धमाकों की आवाजें आती रहती हैं। यहां देश के नीति-नियंताओं और प्रदूषण पर नियंत्रण करने वाली संस्थाओं की कारगुजारियों पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जाहिर है कि दिल्ली समेत उत्तर भारत में फिलहाल जो प्रदूषण है उसमें पटाखों का कोई योगदान नहीं है। यदि अक्तूबर-नवंबर में मौसम में बदलाव तथा पराली जलने से होने वाले प्रदूषण को लेकर कारगर नीतियां बनती और वर्षपर्यंत युद्धस्तर पर काम होता तो शायद यह स्थिति नहीं आती। ऐसे में प्रदूषण का ठीकरा न तो पराली जलाने वालों और न ही पटाखे फोड़ने वालों के सिर फोड़ा जा सकता। स्वाभाविक है कि कुछ लोग इन प्रतिबंधों को धर्म विशेष के त्योहारों के उल्लास को प्रगतिशील दलीलों से बाधित करने के आरोप लगा रहे हैं। कह रहे हैं कि त्योहारों का मजा किरकिरा हो गया। लेकिन यहां प्रदूषण की घातकता और कोरोना संकट को ध्यान में रखें। भारतीय धर्म-दर्शन आस्था के साथ प्रकृति के सहचर से भी जुड़ा है। यह दीपोत्सव का पर्व है धूमोत्सव का नहीं। खुशी मनाना अपनी जगह है, इसका मकसद किसी को रोग बांटना कदापि नहीं है। ये रोक वक्त की नजाकत है, न कि किसी की खुशी को बाधित करने का प्रयास। हमें उदार रवैया अपनाना चाहिए। सही मायनों में दिवाली उजली रात है, जिसे धुएं से स्याह करना अनुचित ही है। अनुभव बताता है कि घातक रसायनों वाले पटाखों के चलने से वातावरण में घातक प्रदूषण कई दिनों तक बना रहता है। ऐसे में हम समाज के प्रति नागरिक दायित्वों का निर्वहन नहीं करते। याद रहे कि ठंड के मौसम में वातावरण के घनीभूत होने और हवा के दबाव के चलते नीचे रह गये धूल व धुएं के कणों से प्रदूषण बढ़ जाता है। दृश्यता में भी कमी देखी जाती है। ऐसे में नियामक संस्थाओं की सक्रियता के साथ एक नागरिक के रूप में हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि ऐसा कोई काम न करें जिससे प्रदूषण जानलेवा साबित हो। कोरोना संक्रमण के चलते हम मास्क लगाकर अपनी व समाज की रक्षा कर रहे हैं। श्वसनतंत्र व फेफड़ों पर महामारी का घातक प्रभाव नजर आया है। ऐसे में पटाखों से होने वाले प्रदूषण से रोगियों को श्वास संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, जिसके लिये समाज में जागरूकता का प्रसार जरूरी है ताकि श्वास के रोगियों, बच्चों व बूढ़ों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि की जा सके। जहां हवा साफ है वहां भी ऐसे प्रयासों से बचना चाहिए जो प्रदूषण बढ़ाने का कारक बने।

आज के ट्वीट

सफल

स्वार्थ के लिए अपनी विचारधारा से समझौता करना भी गलत है। अब इस तरह का अवसरवाद सफल नहीं होता। रोजमर्रा की जिंदगी में हम ये देख भी रहे हैं। हमें अवसरवाद से दूर स्वस्थ संवाद को लोकतंत्र में जिंदा रखना है।

- पीएम

अपने ही बुने जाल में उलझते इमरान

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान का राजकाज चलाना कभी भी आसान काम नहीं रहा है, यहां तक कि बेनजीर भुट्टो और नवाज शरीफ जैसे मंजे हुए राजनेता के लिए भी नहीं। लेकिन इमरान खान में अनुभव की कमी और प्रशासन चलाने की जटिलताओं की समझ नाकाफी होने के अलावा घमंड भरा मिजाज है। इसके चलते उनके सामने आए दिन मुश्किलें पैदा होती हैं। इससे पहले इस्लामिक जगत में दीगर मुल्कों के बीच आपसी ऐतिहासिक, वर्गीय और सांस्कृतिक होड़ में खुद को न फंसाकर पाक ने अपने पत्ते काफी कुशलता से चले थे। लेकिन इमरान को मुगालता है कि उनकी छवि कभी डिग नहीं सकती। उन्हें लगता है नये वैश्विक इस्लामिक गठजोड़ का संस्थापक सदस्य बनने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा बढ़ जाएगा। इस नवीन इस्लामिक गुट को बनाने के सूत्रधार मलेशिया के नब्बे वर्षीय प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद और उनके जैसे ही अति महत्वाकांक्षी तुर्की के राष्ट्राध्यक्ष रेसेप एर्दोगन हैं। किंतु सऊदी अरब के नेतृत्व वाले अरब जगत ने इस विचार पर गंभीर एतराज जताए हैं। सऊदी अरब की भृकुटि तनने से बुरी तरह घबराए इमरान खान को महातिर की पहल से जुड़ने की दिशा में उठाए कदम पीछे खींचने पड़े। इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब और यूएई के साथ संबंध प्रगाढ़ करने के लिए प्रभावशाली यत्न किए हैं, खासकर ऊर्जा के क्षेत्र में। यूएई ने अभूतपूर्व संकेत देते हुए पिछले साल अबू धाबी में आयोजित 43 सदस्यीय आर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कंट्रीस के इजलास में भारत के विदेश मंत्री को विशेष रूप से बतौर सम्माननीय मेहमान आमंत्रित किया था। हालांकि, इमरान खान ने इस बुलावे के लिए यूएई से एतराज जताया था। किंतु जल्द ही उन्होंने पाया कि देश की अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए विदेशी खैरात की बेतरह जरूरत है और मदद पाने के लिए तेल-संपन्न अरब मुल्क जैसे कि सऊदी अरब और यूएई की शरण में फिर से जाना ही होगा, इसलिए मन मसोसकर रह गए। इस तरह इस्लामिक जगत में व्यक्तिगत रूप से महती भूमिका निभाने का उनका सपना चूर-चूर हो गया! इस्लामिक संगठन (ओआईसी) में पाकिस्तान की शिरकत अब जम्मू-कश्मीर पर शोर मचाने तक सीमित है। तुर्की के प्रधानमंत्री एर्दोगन के साथ इमरान की निकटता की वजह से जिन समस्याओं का पाकिस्तान को सामना करना पड़ रहा है, उसके बावजूद इमरान ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की आलोचना करने में एर्दोगन की लीक पर चलना मुनासिब समझा है। इसके बाद मैक्रों की कड़ी प्रतिक्रिया उस वक्त आई जब फ्रांस में शरण लेने आए मुस्लिमों शरणार्थियों के साथ हाल में पहुंचे युवक ने क्रूरता से सम्माननीय फ्रेंच अध्यापक का सर कलम कर दिया। इस पर एर्दोगन ने कहा : ' मैक्रों नाम के इस व्यक्ति को मुस्लिमों और इस्लाम से क्या समस्या है? मैक्रों को अपना दिमागी इलाज करवाना चाहिए।' अपनी ओर से इमरान खान ने भी कहा : 'राष्ट्रपति मैक्रों ने ईश निंदा की श्रेणी में पड़ते और इस्लाम एवं मुकद्दस मोहम्मद साहिब को निशाना बनाने वाले कार्टूनों को प्रकाशित करने की छूट देकर, अपने देश के मुस्लिम नागरिकों के अलावा शेष दुनिया के मुसलमानों को जानबूझकर भड़काने की राह चुनी है।' अब यूरोप भर में इस्लामिक देशों से आए उन शरणार्थियों के विरुद्ध रोष और गुस्सा बढ़ता जा रहा है, जिन्हें पश्चिमी देशों के तौर-तरीकों एवं मूल्यों को अपनाने में गुरेज है। खुद को दुनियाभर के मुसलमानों का महान संरक्षक जताने का इमरान का दावा चीन के शिनजियांग प्रांत में चल रहे घटनाक्रम पर अपनाए गए रवैये की वजह से विरोधाभासों से भरा है। संयुक्त राष्ट्र के आम इजलास की मानवाधिकार कमेटी में 39 देशों के संयुक्त बयान में चीन से शिनजियांग प्रांत के बाशिंदे उइगर मुस्लिमों को बंदी शिविरों में डालने से रोकने को कहा गया है, साथ ही हांगकांग के लोगों की स्वतंत्रता की कद्र करने को भी कहा है। ऐसे में क्या पाकिस्तान को दुनियाभर के मुस्लिमों को दरपेश मुश्किलों के प्रति ईमानदार चिंताएं जताने वाला देश कहा जा सकता है? जबकि अमूमन 10 लाख चीनी उइगर मुसलमानों को अपनी धार्मिक आस्था पर कायम रहने की वजह से अकारण बंदी शिविरों में डाला गया है। यही समय है जब भारत सक्रियता दिखाकर इमरान के इन दोहरे मापदंडों को उजागर करे। जहां इमरान खान की विदेश नीति से विश्वभर में कइयों की भौहें तन गई हैं वहीं खुद पाकिस्तान के अंदर उनके घमंडी स्वभाव और घरेलू नीतियों में उतार-चढ़ाव को लेकर खासी आलोचना हो रही है। जब सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा उनको दरकिनार कर वरिष्ठ विपक्षी नेताओं से सीधे मिलते हैं तो उन्हें दूसरी ओर ताकने के सिवा कोई चारा नहीं रहता। इमरान की अलोकप्रियता में होता लगातार इजाफा उस वक्त स्पष्ट हो गया जब लंदन में बैठे नवाज़ शरीफ ने पाकिस्तान के विपक्षी नेताओं को एकजुट कर दिया और देशभर में इमरान-हटाओ प्रदर्शन चल निकले। नवाज़ शरीफ और अन्य विपक्षी नेता इमरान को देश का 'चुना हुआ' प्रधानमंत्री न कहकर 'चुनींदा' (सेना का) प्रधानमंत्री कहते हैं। 11 विपक्षी दल, जिसमें नवाज़ शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग भी शामिल है, ने हाल ही में वरिष्ठ पश्तून नेता और जमात-ए-उलेमा-ए-पाकिस्तान के अध्यक्ष मौलाना फज़लुर रहमान के नेतृत्व में एकजुट होने को हाथ मिलाया है। विपक्षी दलों की एकता का उदाहरण गुजरावालां में आयोजित संयुक्त प्रदर्शन की विशालता से देखने को मिला, जब हजारों प्रदर्शनकारी और राजनीतिक कार्यकर्ता रैली में इकट्ठे हुए। गुजरांवाला नवाज़ शरीफ का गढ़ होने के अलावा पाकिस्तानी सेना का हृद यस्थल भी है। इस रैली से पहले 11 विपक्षी दलों के नेताओं ने बैठक की थी, इसमें पाकिस्तान डेमोक्रेटिक फ्रंट नामक संयुक्त मोर्चा बनाना तय किया गया है, जिसका ध्येय इमरान खान सरकार को उखाड़ फेंकना है। रैली में नवाज शरीफ के पूर्व रिकॉर्डिड भाषण ने उपस्थित लोगों में जोश भर दिया। इस घटनाक्रम में भारत भी एक कारक रहा क्योंकि भारतीय मीडिया ने पाकिस्तान की संसद में एक मंत्री के बयान को अनेक बार दिखाया है, जिसमें वे पुलवामा में जैश-ए-मोहम्मद की भूमिका को अपरोक्ष रूप से स्वीकार करते दिखाई देते हैं। अगर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे गुटों को पाकिस्तान अपनी मदद जारी रखते पाया गया तो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय कार्यबल क्या कार्रवाई करेगा, इसको लेकर डर पैदा हो गया है। अपनी आलोचना की परवाह न करते हुए पाकिस्तानी सेना ने आर्मी रेंजर्स (जिसमें अधिकांश पंजाबी हैं) को आदेश दिया कि वह सिंध के पुलिस महानिदेशक के जरिए मरियम के पति मुहम्मद सफदर अवान को गिरफ्तार करवाए। जब अनइच्छुक पुलिस महानिदेशक ने इस अवैध आदेश की पालना करने में आनाकानी दिखाई तो उसे भी हिरासत में लिया गया। अपने मुखिया की बेजा हिरासत से आहत हुए सिंध प्रांत के लगभग सभी बड़े पुलिस अधिकारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। डरी हुई सेना ने तुरंत पीछे हटते हुए अदालती आदेश के जरिए मरियम के पति को रिहा करवा दिया। अब जबकि इमरान खान की नाकाबिलियत का सबको पता ही है वहीं देखना यह है कि पाकिस्तानी सेना के बड़े-छोटे फौजी खुद अपने सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा और आईएसआई मुखिया ले. जनरल फैज हमीद की साफ दिख रही बेवकूफी को लेकर क्या सोचते होंगे।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

आकर्षण

श्रीराम शर्मा आचार्य

सत्यम् शिवम् के साथ परमात्मा की तीसरी विशेषता बताई गई है सुंदरम् की। सुंदरता ही उसे प्रिय है। उसका अंशी होने के नाते जीवात्मा भी हर सुंदर वस्तु को देखकर आकृष्ट होती है। प्रकृति के मनोरम दृश्य, हरियाली, पुष्पों से लदे उद्यान को देखकर किसका मन नहीं पुलकित होता? सौंदर्य की ओर आकर्षण अंतरतम् की अभिव्यक्ति है, जो शात् सौंदर्य की खोज करती है तथा उसे प्राप्त करने की सतत् प्रेरणा देती है। शास्त्रों में वर्णन है कि बाह्य स्वरूप की दृष्टि से सुंदर प्रतीत होने वाला संसार मिथ्या है अर्थात् जिन बाहरी वस्तुओं में सौंदर्य दिखाई पड़ता है, वे भ्रम मात्र हैं। फिर उनके प्रति आकर्षण बोध क्यों होता है? इसका उत्तर ऋषि देते हैं कि अपना आपा ही आकर्षित होकर विविध वस्तुओं एवं संसार को सुंदर बनाता है। सौंदर्य का दिग्दर्शन इस आरोपण की प्रतिक्रिया मात्र है, जो जड़ वस्तुओं को भी सौंदर्य युक्त बना देता है। तथ्य तो यह है कि शात सौंदर्य का केंद्र बिन्दु अंतरात्मा है। सौंदर्य की धाराएं यहीं से प्रस्फुटित होतीं तथा गोमुख से निकलने वाली गंगा की भांति समस्त जड़-चेतन में सौंदर्य का अभिसिंचन करती हैं। यह मूल स्त्रोत यदि अपने प्रवाह को रोक दे तो सर्वत्र कुरूपता ही दिखाई पड़ने लगे। प्रतिच्छाया पड़ने मात्र से संसार एवं संबंधित वस्तुएं इतनी अनुपम प्रतीत हो सकती हैं, तो उसका मूल स्वरूप कितना विलक्षण, अनिर्वचनीय हो सकता है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कल-कल करती तीव्र वेग से बहती गंगा को देखकर मन को तृप्ति एवं शांति मिलती है। गंगा इतनी शांत एवं तृप्तिदायक हो सकती है, तो उसका मूल स्त्रोत गोमुख का दृश्य कितना दिव्य, अनुपम एवं मनोरम होगा, इसकी तो मात्र कल्पना ही की जा सकती है अथवा वे अनुभव कर सकते हैं, जो गोमुख के निकट जाकर दिव्य दर्शन का लाभ उठा चुके हैं। सौंदर्य की ओर आकर्षण स्वाभाविक है पर देखा यह जाता है कि वस्तुओं एवं व्यक्तियों के प्रति यह आकर्षण कुछ ही समय तक रहता है और एक अवधि के बाद विकर्षण में बदल जाता है और फिर मन रमण करने के लिए नये स्त्रोतों की खोज करता है। व्यक्तियों अथवा वस्तुओं के प्रति आकर्षण समय-समय पर बदलता रहता है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तंत्र की काहिली से जोखिम में जान

ज्ञानेन्द्र रावत

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोग आजकल ज़हरीली हवा में जीने को मजबूर हैं। इसका अहम कारण पड़ोसी राज्यों के किसानों द्वारा जलायी जाने वाली पराली को बताया जा रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा देश में सबसे ज्यादा खराब है। पूरे क्षेत्र में धुंध की मोटी चादर बिछी हुई है। इससे लोगों का दम घुट रहा है। दृश्यता काफी कम हो गई है। यह पूरे उत्तर भारत की स्थिति है। सरकार को कहना पड़ रहा है कि वह बहुत जरूरत हो तभी घर से बाहर निकलें। निःसंदेह दिल्ली गैस चैम्बर का रूप अख्तियार कर चुकी है। कोरोना के बढ़ते केसों और प्रदूषण के बढ़ते कणों से ज़हरीली होती हवा ने दिल्ली के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। देश के दक्षिणी राज्यों के अधिकांश शहरों यथा कोयम्बटूर, चेन्नई, कोझीकोड, मैसूर, तिरुपति समेत कई शहरों की वायु गुणवत्ता काफी अच्छी स्थिति में है। उत्तर भारत के फतेहाबाद में तो वायु में प्रदूषण का स्तर 466 आंका गया है, जबकि कर्नाटक के मैसूर में वह 29 ही है। इसके चलते ही दिल्ली में 30 नवम्बर तक पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। असलियत में देखा जाये तो वायु गुणवत्ता सूचकांक एक से पचास तक अच्छा, इक्यावन से सौ तक संतोषजनक, एक सौ एक से दो सौ के बीच मध्यम, दो सौ एक से तीन सौ के बीच खराब, तीन सौ एक से चार सौ के बीच बेहद खराब और चार सौ एक से पांच सौ के बीच गंभीर माना जाता है। दिल्ली का प्रदूषण खतरनाक स्थिति तक पहुंचने के पीछे यहां के अंदरूनी कारण नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों खासकर हरियाणा और पंजाब में जलायी जा रही पराली भी है। जबकि केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर कहते हैं कि इसमें उद्योगों की भी अहम भूमिका है। बाबत सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को निर्देश दिया है कि वह यह सुनिश्चित करे कि दिल्ली एनसीआर में धुंध न हो। सरकार की दलील पर कोर्ट ने कहा कि हमें इससे कोई मतलब नहीं है कि वायु गुणवत्ता आयोग कब से काम करना सुनिश्चित करेगा। यहां बहुतेरे आयोग हैं। अनेक लोग इस पर काम कर रहे हैं। इस बाबत याचिका दायर करने वाले आदित्य दुबे के वकील ने कहा है कि आयोग का अध्यक्ष सरकार ने एक नौकरशाह को बनाया है जबकि वह किसी अवकाश प्राप्त जज को भी आयोग का प्रमुख बना सकती थी। विडम्बना यह कि आयोग में स्वास्थ्य मंत्रालय का कोई भी सदस्य नहीं है। मौजूदा हालात में पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर कहते हैं कि सरकार ठंड के मौसम से काफी पहले से ही दिल्ली और उत्तर भारत के दूसरे स्थानों पर वायु प्रदूषण से निपटने के सभी कदम उठा रही है। वह मानते हैं कि पराली जलाना एक सस्ता तरीका है। लेकिन यह वायु गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इसके लिए पूसा ने डिंकपोजर तैयार किया गया है जो पराली को समाप्त करने का एक सस्ता तरीका है। पांच राज्यों में इसका इस्तेमाल किया गया है, जिसके परिणाम की प्रतीक्षा है। जब सरकार को पहले ही से यह मालूम था कि यह हर साल की समस्या है तो इसको पहले क्यों नहीं इस्तेमाल किया गया। विडंबना यह है कि समस्या विकराल होने के समय टैस्ट किया जा रहा है। इसके अलावा फिर भी जगह-जगह कूड़े के ढेरों की मौजूदगी, कचरा जलाए जाने की घटनाएं, भवन निर्माण सामग्री का बिना ढंके ले जाया जाना, उसको खुले में रखे जाना और जगह-जगह पड़ी धूल यह साबित करती है कि नियम-कानूनों के पालन की बात केवल कागजों में ही दिखाई देती है, जमीन पर उसका कोई असर नहीं दिखाई देता। में पंजाब और हरियाणा में लगभग 30 मिलियन टन से भी अधिक पराली का कुल उत्पादन होता है। इसमें लगभग 23 मिलियन टन पराली हर साल दोनों राज्यों के किसानों द्वारा जला दी जाती है। देखा जाये तो नवम्बर का महीना दिल्ली वालों पर काफी भारी पड़ने वाला है। इस दौरान दिल्ली वालों पर तिहरी मार पड़ेगी। इस समय एक ओर तो ठंड बढ़ेगी, आसमान खुला रहेगा, हवाएं प्रतिचक्रवाती रूप में चलेंगी, इसके चलते प्रदूषक तत्व हवा में अधिक समय तक ठहरे रहेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि इस दौरान ही दिवाली होने के चलते पराली और पटाखे-आतिशबाजी चलाने से धुएं के कारकों को नियंत्रित कर पाना आसान नहीं होगा। वह बात दीगर है कि पटाखों पर पाबंदी का कितना असर होता है। वैसे पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को सुप्रीम कोर्ट 2017 में ही पराली जलाने पर अंकुश लगाने के लिए निर्देश दे चुका है। एनजीटी इसे दंडनीय अपराध घोषित कर चुका है। लेकिन मौजूदा स्थिति सबूत है कि अभी तक उस पर अमल नहीं हुआ है। वैसे पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने पर जुर्माने का प्रावधान है। आशंका है यही स्थिति रही तो 2050 तक पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण में करीब 45 फीसदी की बढ़ोतरी हो जायेगी। इसका खुलासा 'जर्नल ऑफ क्लिनर प्रोडक्शन' नामक शोधपत्र में किया गया है। इसके अलावा सर्दी में प्रदूषण की वजह से हृदय, श्वास संबंधी व अन्य रोगों के शिकार लोगों की तादाद में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी। नवजात बच्चों के फेफड़े तक प्रभावित होंगे। ये हालात हमारी चिंता का विषय होना चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था में जोरदार ढंग से सुधार हो रहा है: सीतारमण

नयी दिल्ली, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि एक लंबे और कड़े लॉकडाउन के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की हालत में जोरदार सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और प्रोत्साहनों की घोषणा करने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि व्यापक आर्थिक संकेतक हालात में सुधार की ओर इशारा कर रहे हैं। सीतारमण कहा कि देश मे कोविड-19 के सक्रिय मामले एक समय 10 लाख से अधिक थे, जबकि अब ये मामले घटकर 4.89 लाख रह गए हैं और मृत्यु दर घटकर 1.47 प्रतिशत पर आ गयी है। अर्थव्यवस्था में सुधार का ब्यौरा देते हुए उन्होंने कहा कि कंपनियों के कारोबार की गति का संकेत देने वाला कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर में बढ़कर 58.9 रहा, जो इससे पिछले महीने में 54.6 था। उन्होंने कहा कि अक्टूबर के दौरान ऊर्जा खपत में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 10 प्रतिशत बढ़कर 1.05 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। वित्त मंत्री ने कहा कि दैनिक रेलवे माल ढुलाई में औसतन 20 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे कहा कि बैंक ऋण में भी 5.1 प्रतिशत का सुधार हुआ है। इसके अलावा अप्रैल-अगस्त में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 13 प्रतिशत बढ़कर 35.37 अरब अमरीकी डालर रहा।भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर के सकारात्मक दिशा में लौटने का अनुमान जताया है। सीतारमण ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत घोषित पिछले प्रोत्साहनों की प्रगति का ब्यौरा देते हुए कहा कि एक सितंबर से 28 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश 'एक देश- एक राशन कार्ड' योजना के तहत आ गए हैं। इसके तहत 68.6 करोड़ लाभार्थी शामिल हैं, जो इन 28 राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में किसी भी पीडीएस दुकान से खाद्यान्न ले सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि रेहड़ी दुकानदारों के लिए आत्मनिर्भर निधि के तहत 26.62 लाख ऋण आवेदन मिले, जिनमें से 13.78 लाख लोगों को कुल 1,373.33 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है।वित्त मंत्री ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से 2.5 करोड़ किसानों को ऋण प्रोत्साहन मिला है। इसी तरह प्रधानमंत्री मातृ संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत 21 राज्यों के 1,682.32 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

चेन्नई की सर्राफा कंपनी पर आयकर विभाग का छापा, 500 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय पकड़ी गई

नयी दिल्ली, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने गुरुवार को कहा कि आयकर विभाग द्वारा चेन्नई की प्रमुख सर्राफा कंपनी के परिसरों पर मारे गए छापे के दौरान 500 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित संपत्ति का पता चला है। ये छापे मंगलवार को चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, कोयम्बटूर, सलेम, त्रिची, मदुरै और तिरुनेलवेली में 32 स्थानों पर मारे गए। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा, ''अभी तक छापों के दौरान 500 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित संपत्ति का पता चला है। वास्तव में, अभी तक पकड़ी गई अघोषित आय में से 150 करोड़ रुपये का खुलासा कर निर्धारिती (सर्राफा पर्म) ने स्वैच्छिक रूप से किया है।''बयान में कहा गया कि मामले में आगे जांच जारी है। बोर्ड का दावा है कि इस कार्रवाई में दर्शाए गए माल से 814 किलो ग्राम ज्यादा सोना मिला है। इसका मूल्य करीब 400 करोड़ रुपये अंका गया है। इस पर कर का निर्धारण किया जाएगा।

किसानों के लिए 65000 करोड़ उर्वरक सब्सिडी का ऐलान, 14 करोड़ अन्नदाताओं को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए गुरुवार को घोषित प्रोत्साहन पैकेज के तहत किसानों को 65,000 करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसानों को आगामी फसल सत्र के दौरान उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने 65,000 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं।

गरीब कल्याण रोजगार योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। सीतारमण ने आगे कहा कि कर्ज सहायता के जरिए निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक्जिम बैंक को 3,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

14 करोड़ किसानों को मिलेगा लाभ

वित्त मंत्री ने कहा कि साल 2016-17 में खाद की खपत 499 मिट्रीक टन थी। चालू वित्त वर्ष में 2020-21 में इसे बढ़कर 673 मिट्रिक टन हो जाने की उम्मीद है। खाद की ज्यादा सप्लाई और सब्सिडी पर मिलने के कारण 140 मिलियन यानी 14 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा।

मांग में कमी के चलते कच्चे तेल वायदा टूटा

नयी दिल्ली, प्रतिभागियों द्वारा मांग में कमी के चलते कच्चे तेल का वायदा गुरुवार को 0.48 प्रतिशत गिरकर 3,109 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में नवंबर डिलीवरी के लिए कच्चे तेल की कीमत 15 रुपये या 0.48 प्रतिशत टूट कर 3,109 रुपये प्रति बैरल पर आ गई। इसमें 3,623 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल 0.41 प्रतिशत गिरकर 41.62 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि ब्रेंट क्रूड न्यूयॉर्क 0.55 प्रतिशत घटकर 44.04 डालर प्रति बैरल रहा।

रुपया 28 पैसे टूटकर बंद, शेयर बाजारों में गिरावट से निवेशकों की धारणा प्रभावित

मुंबई,

घरेलू शेयर बाजारों के कमजोर रुख के बीच अस्थायी आंकड़ों के हिसाब से रुपया डॉलर के मुकाबले 28 पैसे टूटकर बंद हुआ। कारोबार की समाप्ति पर यह 74.64 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले 74.44 पर खुला। अंत में 28 पैसे टूटकर यह 74.64 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 74.38 के उच्चतम और 74.74 के निचले स्तर तक गया। पिछले कारोबारी सत्र में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 74.36 पर बंद हुआ था। विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला सूचकांक 0.22 प्रतिशत गिरकर 92.83 अंक पर रहा। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 236.48 अंक यानी 0.54 प्रतिशत गिरकर 43,357.19 अंक और एनएसई निफ्टी 58.35 अंक यानी 0.46 प्रतिशत घटकर 12,690.80 अंक पर बंद हुआ। आरंभिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बुधवार को शेयर बाजारों में 6,207.19 करोड़ रुपये की शेयर खरीद की। इस बीच ब्रेंट कच्चा तेल 0.25 प्रतिशत गिरकर 43.69 डॉलर प्रति बैरल रहा।

शेयर बाजारों में लगातार आठ दिन की तेजी के बाद मुनाफावसूली से सेंसेक्स 236 अंक गिरा

मुंबई,

नरम वैश्विक संकेतों के बीच निवेशकों की मुनाफावसूली से बृहस्पतिवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार आठ दिन की तेजी के बाद गिरावट रही। वित्तीय शेयरों में भी दबाव रहा। इससे सेंसेक्स 236 अंक लुढ़क गया। कारोबारियों ने कहा कि सरकार द्वारा नये राहत उपायों की घोषणा निवेशकों को लुभाने में असफल रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक कारोबार के दौरान एक समय 466.12 अंक गिर गया था। हालांकि, बाद में इसने कुछ वापसी की और अंततः 236.48 अंक यानी 0.54 प्रतिशत गिरकर 43,357.19 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी इसी तरह 58.35 अंक यानी 0.46 प्रतिशत लुढ़ककर 12,690.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का शेयर सर्वाधिक करीब तीन प्रतिशत की गिरावट में रहा। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरवट दर्ज की गयी। हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व और टेक महिंद्रा के शेयर तेजी में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के संस्थागत व्यवसाय के प्रमुख अर्जुन यश महाजन ने कहा, ''पिछले आठ कारोबारी दिन तेजी जारी रहने के बाद, घरेलू शेयर बाजारों ने आखिरकार आज विराम ले लिया। वित्तीय शेयरों में मुनाफा वसूली दिखी।'' उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा आत्मानिर्भर भारत 3.0 के तहत राजकोषीय प्रोत्साहन की घोषणा मुख्य रूप से रोजगार सृजन और देश में बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित रही। अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये कई उपायों की घोषणा करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था लंबे और सख्त लॉकडाउन के बाद मजबूती से उबर रही है। उन्होंने रोजगार के अवसर देने वाले प्रतिष्ठानों के लिये सब्सिडी की घोषणा की। सब्सिडी के तहत दो साल के लिये कर्मचारियों के साथ-साथ नियोक्ताओं के भविष्य निधि योगदान को सरकार की तरफ से जमा किया जायेगा। एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कोस्पी गिरावट में रहे। जापान का निक्की बढ़त में रहा। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय शेयर बाजार गिरावट में चल रहे थे। इस बीच, कच्चा तेल का अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.07 प्रतिशत गिरकर 43.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

वाणिज्य मंत्रालय ने अगली विदेश व्यापार नीति पर मांगे हितधारकों से सुझाव

नयी दिल्ली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने अगली विदेश व्यापार नीति के नियमन के लिए हितधारकों, उद्योग और व्यापार संघों से सुझाव मांगे हैं। मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने बृहस्पतिवार को एक अधिसूचना में कहा कि सुझावों को स्वीकार और विश्लेषित करने के लिए एक गूगल फॉर्म बनाया गया है। हितधारकों से उनके सुझाव ई-मेल या पत्र के बजाय 15 दिन के भीतर इसी माध्यम से देने का आग्रह है। विदेश व्यापार नीति में देश से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नये दिशानिर्देश एवं नीतियों को शामिल किया जाता है। देश का निर्यात कारोबार बढ़ने से आर्थिक वृद्धि एवं रोजगार निर्माण में मदद मिलती है। मौजूदा विदेश व्यापार नीति (2015-20) को 31 मार्च 2021 तक का विस्तार दिया गया है। महानिदेशालय ने अगली पंचवर्षीय विदेश व्यापार नीति के लिए विभिन्न हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। इनमें निर्यात संवर्द्धन परिषद, जिंस बोर्ड, व्यापार संगठन, उद्योग मंडल/संगठन, डीजीएफटी के सभी क्षेत्रीय प्राधिकारी और व्यापार एवं उद्योग से जुड़े सदस्य इत्यादि शामिल हैं। वित्त वर्ष 2011-12 से देश का निर्यात 300 अरब डॉलर के आसपास बना हुआ है। 2018-19 में यह 331 अरब डॉलर और 2019-20 में 314.3 अरब डॉलर रहा था।

कोरोना काल में गई जॉब, नई नौकरी पर 2 साल तक PF का पैसा खुद भरेगी सरकार, ये हैं शर्तें

नई दिल्ली-

धनतेरस के दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महामारी से जूझ रही अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए कई बड़ी घोषणाएं की हैं। वित्त मंत्री ने कोरोना काल में बेरोजगार हुए लोगों के लिए एक अहम योजना की शुरुआत की है। इसका नाम आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना है। यह योजना एक अक्टूबर से लागू होगी। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने रोजगार प्रोत्साहन योजना की घोषणा की थी। आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना का उद्देश्य संगठित क्षेत्र में रोजगार देने की कोशिश है।

इन्हें मिलेगा लाभ

आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत उन लोगों को भविष्य निधि (श्क्क्नह) से जोड़ा जाएगा जो अब तक रजिस्टर्ड नहीं थे। इस योजना के तहत 15,000 रुपये से कम मासिक वेतन पाने वाले नए कर्मचारी को गिना जाएगा। जिनकी नौकरी 1 मार्च से 30 सितंबर के बीच गई होगी और 1 अक्टूबर या उसके बाद रोजगार मिला हो तो उन्हें लाभ मिलेगा।

योजना 30 जून, 2021 तक लागू रहेगी

निर्मला सीतारमण ने कहा कि जो संस्थान श्क्क्नह के तहत रजिस्टर्ड हैं उन्हें नए एंप्लॉयी जोड़ने पर सरकार से सब्सिडी मिलेगी। यह योजना 30 जून, 2021 तक लागू रहेगी। एलिजिबल एंप्लॉयी के लिए दो सालों तक सरकार कंपनी को सब्सिडी देगी।

सरकार की तरफ से 24 प्रतिशत हिस्सा

सब्सिडी के तहत दो साल के लिए सेवानिवृत्ति निधि में कर्मचारियों के साथ ही नियोक्ताओं के योगदान को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का योगदान (वेतन का 12 प्रतिशत) और नियोक्ता का योगदान (वेतन का 12 प्रतिशत), इस तरह कुल वेतन का 24 प्रतिशत हिस्सा अगले दो वर्षों के लिए नई भर्तियां करने वाले प्रतिष्ठानों को दिया जाएगा।

नए कर्मचारियों की भर्ती पर यह सब्सिडी मिलेगी

आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में पंजीकृत प्रतिष्ठानों को नए कर्मचारियों की भर्ती पर यह सब्सिडी मिलेगी। सितंबर 2020 में एंप्लॉयी बेस को रेफरेंस माना जाएगा। कितने नए एंप्लॉयी को नौकरी मिली है उसका हिसाब इसी आधार पर होगा।

एंप्लॉयर के लिए कुछ शर्तें

इस योजना का लाभ लेने के लिए एंप्लॉयर को कुछ कंडिशन को पूरा करना होगा। अगर किसी कंपनी में 50 कर्मचारी नौकरी करते हैं तो, उन्हें वहां 2 नए कर्मचारी की नौकरी लगने पर संस्थान को सब्सिडी का फायदा मिलेगा। किसी कंपनी या प्रतिष्ठानों में 50 से अधिक कर्मचारी हैं, उन्हें कम से कम पांच नई भर्ती करनी होगी। जिसके बाद इन्हें सब्सिडी का फायदा मिलेगा। यह योजना 30 जून 2021 तक लागू रहेगी।

पावर फाइनेंस का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 72 प्रतिशत उछलकर 4,290 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2020-21 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 72 प्रतिशत उछलकर 4,290 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मुख्य रूप से अधिक आय के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। पीएफसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 2,497 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की कुल आय चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 18,171.41 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 15,537.55 करोड़ रुपये थी।

अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर: मूडीज ने भारत की GDP ग्रोथ के लिए अपने अनुमान को बढ़ाया

नई दिल्ली।

रेटिंग एजेंसी मूडीज इंवेस्टर सर्विसेस ने 2020 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान में बृहस्पतिवार को अपने पिछले अनुमान के मुकाबले कुछ सुधार किया। मूडीज ने 2020 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 8.9 प्रतिशत गिरावट आने का अनुमान जताया है जबकि इससे पहले उसने 9.6 प्रतिशत गिरावट आने का अनुमान लगाया था।

अर्थव्यवस्था फिर पटरी पर लौट रही

मूडीज ने कहा लंबे और कड़े लॉकडाउन के बाद देश की अर्थव्यवस्था फिर पटरी पर लौट रही है। लेकिन यह सुधार बिखरा हुआ है। अपनी वैश्विक वृहद परिदृश्य 2021-22 रपट में मूडीज ने 2021 के लिए भी देश की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 8.6 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह 8.1 प्रतिशत था। वर्ष 2019 में भारत ने 4.8 प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि की थी।

अप्रैल-जून तिमाही में 24 प्रतिशत की गिरावट

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि 2020 के कैलेंडर वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था 8.9 प्रतिशत सिकुड़ने का अनुमान है। पहले यह अनुमान 9.6 प्रतिशत की गिरावट का था। लंबे और कड़े लॉकडाउन की वजह से देश की अर्थव्यवस्था में अप्रैल-जून तिमाही में करीब 24 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गयी।

देश में 69 दिन का राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन

देश में 69 दिन का राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन रहा। इसके बाद कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए राज्य और स्थानीय स्तर पर इसका बार-बार विस्तार किया गया। लॉकडाउन में ढील धीरे-धीरे चरणों में दी गयी जबकि स्थानीय स्तर पर रोकथाम क्षेत्र में प्रतिबंध बने हुए हैं।

दीवाली पर खास ऑफर, पूरे परिवार के साथ दुबई में मनाइए त्योहार का जश्न

नई दिल्ली।

दुबई में होने वाले दीवाली उत्सव में नागरिकों एवं विभिन्न देश से आने वाले सैलानियों को भव्य शो, अद्भुत गोल्ड एवं ज्वेलरी प्रमोशन, विविध रिटेल ऑफर्स आदि बेहतरीन लुफ्त उठाने का मौका मिलेगा। दुबई फेस्टिवल्स एवं रिटेल प्रतिष्ठान (डीएफआरई) द्वारा आयोजित इस साल की दीवाली विभिन्न समुदायों को एक छत के नीचे ला रही है, जो लोग दुबई को अपना घर मानते हैं और पूरा साल यहां रहने के लिए एक आकर्षक स्थान बनाने में मदद करते हैं। डीएफआरई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अहमदअल खाजा ने कहा, 'दुबई के पारंपरिक दीवाली उत्सवों में मनोरंजन, शहर के वैश्विक आकर्षण का प्रदर्शन करना शामिल है। इस वर्ष अनेक शानदार प्रमोशन, एक्टिवेशन एवं शो के साथ दीवाली त्योहारों की शुरुआत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ अवसर है, जब पूरी दुनिया से पर्यटक एवं सभी निवासियों के लिए परिवार एवं रिटेल डेस्टिनेशन के रूप में मशहूर दुबई की प्रतिष्ठा को प्रदर्शित किया जा सकता है।% दुबई फेस्टिवल सिटी मॉल में दीवाली का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यहां पर इस शॉपिंग डेस्टिनेशन के रिकॉर्ड-ब्रेकिंग इमेज़ीनवाटर, फायर, लाईट एवं लेज़र शो द्वारा बॉलिवुड थीम पर दो परफॉर्मेंस होंगी। लैंडमार्क अट्रैक्शन के इंडिया पवेलियन में भारतीय परंपरा, संस्कृति एवं भोजन के संयुक्त अरब अमीरात के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, ग्लोबलविलेज़ में फेस्टिवल ऑफ लाईट्स मनाईये। दुबई मॉल में ब्लूमिंग डेल के स्टोर में आगंतुकों को बॉलिवुड के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म पब्लिकेशन, फिल्मफेयर के अपने एडिशन के फ्रंटपेज पर जगह मिलेगी। दुबई गोल्ड एंड ज्वेलरी ग्रुप (डीजीजेजी) एक से 21 नवंबर के बीच गोल्ड स्टोर्स में आने पर स्पेशल प्रमोशंस की विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर रहा है। सिटी सेंटर डीयरा एवं सिटी सेंटर शिंदाघा मॉल्स शॉपर्स को इस दीवाली आधा किलोग्राम सोना जीतने का मौका दे रहे हैं।

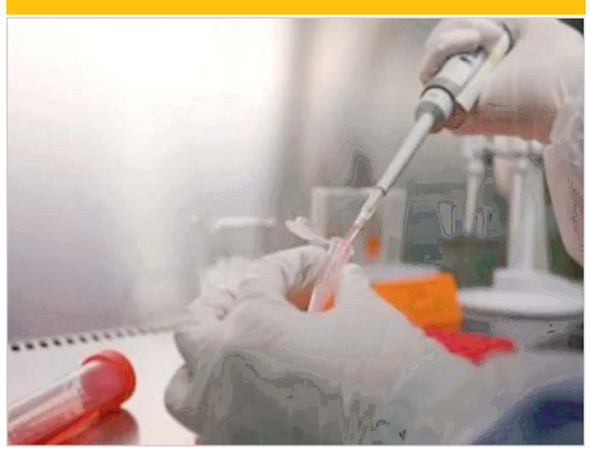

जावा मोटरसाइकिल की 12 महीनों में 50,000 से अधिक इकाइयां बिकीं

नयी दिल्ली,

मोटरसाइकिल ब्रांड जावा की देश में पूर्ण परिचालन शुरू होने के सालभर के भीतर 50,000 से अधिक इकाइयां बिकी हैं। क्लासिक लीजेंड्स देश में जावा मोटरसाइकिल की बिक्री करती है। क्लासिक लीजेंड्स ने बुधवार को एक बयान में कहा कि देश में जावा की बिक्री नवबर 2018 में शुरू की गयी। तब दो मॉडल जावा और जावा फोर्टी को बाजार में उतारा गया। जबकि कंपनी ने अपना पूर्ण परिचालन पिछले साल नवंबर में शुरू किया और इसी माह में जावा पेराक को भी पेश किया गया। कंपनी ने कहा, ''जावा मोटरसाइकिल ने अपना पूर्ण परिचालन शुरू होने के बाद 12 महीनों के भीतर 50,000 दोपहिया वाहन की बिक्री का आंकड़ा पार किया है। बिक्री के आंकड़े देश में जावा मोटरसाइकिल की उत्साही मांग को दिखाते हैं।'' क्लासिक लीजेंड्स में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी महिंद्रा की है, जबकि 40 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के संस्थापक अनुपम थरेजा और रुस्तमजी समूह के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक बोमन ईरानी के पास है। अभी कंपनी देश में महिंद्रा एंड महिंद्रा के मध्यप्रदेश में इंदौर के पास पीथमपुर संयंत्र में अपनी मोटरसाइकिल का विनिर्माण कर रही है। यहां सालाना पांच लाख वाहन का उत्पादन होता है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 2016 में क्लासिक लीजेंड्स के साथ इस संबंध में एक समझौता किया था। इसके तहत कंपनी भारतीय और पूर्वी एशियाई देशों में जावा ब्रांड नाम से मोटरसाइकिल की बिक्री करती है।

कोविड-19 टीके पर शोध के लिए 900 करोड़ रुपये का अनुदान

नयी दिल्ली,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को केविड-19 टीके पर शोध के लिये जैव प्रौद्योगिकी विभाग को 900 करोड़ रुपये का अनुदान देने की घोषणा की। उन्होंने कहा, ''हम कोविड-19 टीके पर शोध और उसके विकास के लिये 900 करोड़ रुपये उपलब्ध करा रहे हैं। यह कोविड सुरक्षा मिशन के लिये उपलब्ध कराया जा रहा है जो पूरी तरह से अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिये है। लेकिन यह राशि अनुसंधान कार्यों के उद्देश्य से जैव प्रौद्योगिकी विभाग के पास जाएगी।'' सीतारमण ने कहा कि अनुदान के दायरे में टीके की वास्तविक लागत और वितरण का खर्च शामिल नहीं है। टीका उपलब्ध होने पर इसके लिए अलग से प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''टीके की वास्तविक लागत या टीका वितरण के लिये उसके रखरखाव और जगह-जगह पहुचांने के लिये जरूरी 'लॉजिस्टिक' का खर्च पूरी तरह से अलग है। जब भी इसकी जरूरत होगी, उपलब्ध कराया जाएगा। यह अनुदान पूरी तरह से टीका विकास के लिये उसके शोध को लेकर है। अनुदान राशि जैव प्रौद्योगिकी विभाग के पास जाएगी।'' सीतारमण ने कहा कि घरेलू रक्षा उपकरण, औद्योगिक प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचा और हरित ऊर्जा के लिए पूंजीगत एवं औद्योगिक व्यय के लिए 10,200 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजटीय आबंटन का भी प्रावधान किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छेत्री ने माना, बायो-बबल में रहना आसान नहीं

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के कप्तान सुनील छेत्री लीग के आगामी सातवें सीजन के लिए तैयार है और उन्होंने इस बीच कहा है कि बायो-बबल में रहना आसान नहीं है। छेत्री ने ट्विटर 16 सेकेंड का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने यह बात कही है। बेंगलुरु एफसी की टीम पिछले तीन सप्ताह से गोवा में आइसोलेशन में हैं, जहां वह हर दिन दो बार ट्रेनिंग सत्र में भाग लेने के अलावा किताबें भी पढ़ रहे हैं। छेत्री ने कहा, बायो-बबल में हमारा तीसरा सप्ताह है और मुझे यह मानना पड़ेगा कि यह आसान नहीं है, लेकिन जरूरी है। हम दिन में दो बार अभ्यास करने के साथ ही यह भी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले जितना संभव हो सके बतौर टीम हम पूरी तरह से फिट रहें। उन्होंने कहा, आईएसएल को शुरू होने में अब 10 दिन से भी कम समय बचा है और मुझे पूरा यकीन है कि हमारी तरह ही आप सभी भी आईएसएल का उसी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आईएसएल 2020-21 का सीजन 20 नवंबर से शुरू होगा और कोरोना के कारण इसके मैच गोवा के तीन स्थानों पर बायो बबल में खेले जाएंगे। छेत्री ने कहा, इन सब के बीच मैं अपने लिए कुछ समय निकालने की पूरी कोशिश कर रहा हूं। इस दौरान मैंने बिल ब्रायसन की किताब द बॉडी पढ़कर खत्म की है और दूसरों के लिए इसकी अनुशंसा भी करना चाहूंगा।

भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं : टेटे

बेंगलुरु।

पिछले साल भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाने वाली डिफेंडर सलीमा टेटे लगातार अच्छा प्रदर्शन करके तोक्यो ओलंपिक की टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहती है। टेटे पिछले साल हिरोशिमा में एफआईएच महिला सीरीज फाइनल्स जीतने वाली टीम का हिस्सा थी। उन्होंने कहा कि मेरे लिए 2019 काफी महत्वपूर्ण साल था। मैं पिछले साल से भारतीय टीम की नियमित सदस्य हूं और खुशकिस्मत हूं कि महिला सीरिज फाइनल्स और ओलंपिक क्वालीफायर जीतने वाली टीम का हिस्सा रही। मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं और अगले कुछ साल तक टीम के लिये बेहतरीन प्रदर्शन करने की इच्छुक हूं। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी खिलाड़ी के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन जरूरी है और वही मेरी प्राथमिकता है। ओलंपिक की तैयारियों के बारे में उन्होंने कहा कि हम ओलंपिक के लिये तैयारी पुख्ता रखना चाहते हैं। अगर हॉकी इंडिया और साइ का इतना सहयोग नहीं होता तो हमारी तैयारियां शुरू नहीं हो पाती। टीम की तैयारी सही दिशा में जा रही है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा तालमेल है।

बिना किसी संदेह के मुंबई इंडियंस इस साल की सर्वश्रेष्ठ टीम : डिविलियर्स

दुबई।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के अनुभवी बल्लेबाज अब्राहम डिविलियर्स ने पांचवीं बार आईपीएल का खिताब जीतने वाली मुंबई इंडियंस की जमकर तारीफ की है। मुंबई ने मंगलवार रात को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए लीग के 13वें सीजन के फाइनल में दिल्ली को पांच विकेट से हरा अपना लगातार दूसरा और कुल पांचवां खिताब जीता। डिविलियर्स ने मुंबई की जीत के बाद ट्वीट कर लिखा, शाबाश, मुंबई इंडियंस। बिना किसी संदेह के इस साल की सर्वश्रेष्ठ टीम। बेंगलोर इस सीजन उन पांच टीमों में से है, जिसने मुंबई को हराया था। ग्रुप दौर में बेंगलोर ने सुपर ओवर में गए मैच में मुंबई को मात दी थी। उस मैच में डिविलियर्स ने 24 गेंदों पर 55 रन बनाए थे और मैन ऑफ द मैच चुने गए थे। डिविलियर्स ने इस सीजन 454 रन बनाए और वह अपनी टीम के लिए लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में कप्तान विराट कोहली (466), सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिकल (473) से पीछे तीसरे स्थान पर रहे। बेंगलोर ने इस बार प्लेऑफ में जगह बनाई थी लेकिन एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने उसे हरा दिया था।

एफसी गोवा ने जर्मन क्लब लिपजिग के साथ किया करार

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम एफसी गोवा ने जर्मन की पेशेवर फुटबाल क्लब आरबी लिपजिग के साथ करार करने की गुरुवार को घोषणा की। लिपजिग क्लब ने एक बयान में कहा कि यह करार 30 जून 2023 तक के लिए हुआ है। करार के तहत आरबी लिपजिग भारतीय फुटबाल में युवा विकास और कोच प्रशिक्षण पर मुख्य ध्यान देगा। कोरोना वायरस के कारण ये कैम्प पहले ऑनलाइन शुरू किए जाएंगे। आरबी लिपजिग के सीईओ ओलिवर मिंटलाफ ने कहा, हम आरबी लिपजिग को नई ऊंचाईयों पर ले जाना चाहते हैं और यह हमारा पहला अंतर्राष्ट्रीय कदम है। इस तरह के करार से बुंदेसलीगा को भी भारत में अपना प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है।

टी-20 विश्व कप-2021 तय कार्यक्रम के तहत भारत में ही होगा, आईसीसी ने की पुष्टि

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि कर दी है कि अगला टी-20 विश्व कप भारत में ही तय कार्यक्रम के मुताबिक आयोजित किया जाएगा। 16 टीमों का टूर्नामेंट अगले साल अक्टूबर-नवंबर में खेला जाएगा। टेस्ट खेलने वाले देशों के अलावा इस विश्व कप में पापुआ न्यू गिनी, नामीबिया, नीदरलैंड्स, ओमान और स्कॉटलैंड की टीमें भी हिस्सा लेंगी। आईसीसी प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, अभी तक भारत में टूर्नामेंट को आयोजित कराने का कार्यक्रम तय है। 2020 और 2021 में दो लगातार टी-20 विश्व कप होने थे। 2020 विश्व कप की मेजबानी आस्ट्रेलिया को करनी थी, लेकिन कोविड-19 के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है और अब यह टूर्नामेंट 2022 में होगा। आईसीसी ने इसी साल अगस्त में कह दिया था कि टी-20 विश्व कप 2022 में आस्ट्रेलिया में ही आयोजित किया जाएगा। भारत ने 2016 में टी-20 विश्व कप की मेजबानी की थी जिसे वेस्टइंडीज ने जीता था।

आईसीसी ने कहा है कि वह अगर तब तक कोविड-19 महामारी खत्म नहीं होती है तो जरूरी कदम उठाए जाएंगे। आईसीसी द्वारा जारी बयान में बीसीसीआई के सचिव जय शाह के हवाले से लिखा गया है, टूर्नामेंट में सभी स्वास्थ संबंधी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं इस बात को सुनिश्चित करने में बीसीसीआई कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुझे भरोसा है कि हम हर चुनौती से पार पा लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

फुटबाल : पुर्तगाल ने एंडोरा को 7-0 से दी शिकस्त, रोनाल्डो ने किया गोल

लिस्बन। पुर्तगाल ने एक बार फिर से शानदार प्रदर्शन करते हुए एक दोस्ताना मैच में एंडोरा को 7-0 से करारी मात दी। पुर्तगाल की इस बड़ी जीत में क्रिस्टीयानो रोनाल्डजो का भी एक गोल शामिल है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को खेले गए इस मैच में पुर्तगाल के लिए अपना पदार्पण मैच खेल रहे फॉरवर्ड पेद्रो नीटो ने आठवें, डियास फर्नांडीज ने 29वें और 61वें, रेनाटो सांचेज ने 56वें, गार्सिया मिरामोंटेस ने 76वें मिनट में आत्मघाती गोल, रोनाल्डो ने 85वें और सकीरा ने 88वें मिनट में गोल किए। इस गोल के साथ ही रोनाल्डो ने सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की दिशा में एक और कदम बढ़ा दिया है। 35 वर्षीय रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए अब तक 102 गोल कर चुके हैं और अब वह सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय गोल करने के मामले में ईरान के अली डायर से केवल सात ही गोल पीछे हैं। रोनाल्डो ने इस साल पुर्तगाल के लिए 100वां गोल किया था और वह ऐसा करने वाले पहले यूरोपियन खिलाड़ी बने थे। अन्य मुकाबलों में बेल्जियम ने स्विट्जरलैंड को 2-1 से हरा दिया।

एआईएफएफ ने देश के शीर्ष रेफरियों के लिए नियुक्त किए विशेषज्ञ कोच

नई दिल्ली। देश के शीर्ष रेफरियों के स्तर में लगातार सुधार करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने उनके लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की नियुक्ति की है। ऑफ रेफरी रविशंकर जे ने इसे एक शानदार कदम बताया है। एआईएफएफ टीवी से बात करते हुए रविशंकर ने कहा, यह हमारे द्वारा लिया गया शानदार कदम है। हमने सोचा कि हर टीम के पास कोच होता है और रेफरियों की भी एक टीम होती है तो हमने सोचा कि हमारे भी कोच होने चाहिए दो रेफरियों को मॉनिटर करेंगे। उन्होंने कहा, आम तौर पर मैच में जो रेफरी विश्लेष्क (आरए) होता है वो रेफियों और सहायक रेफरियों के मैच मे किए प्रदर्शन को देखता है। लेकिन अब कोच उसको बैच के रेफरी के प्रदर्शन पर नजर रखेगा। उन्होंने बताया, अच्छी बात यहा है कि पूरे सीजन रेफरी को एक ही कोच देखेगा। इससे कोच को रेफरी के साथ व्यक्तिगत स्तर पर काम करने का मौका मिलेगा। रविशंकर ने इस नए कदम पर सकारात्कता दिखाई और बताया कि कैसे आईएसएल मैचों के दौरान प्रोफेशनल गेम मैच ऑफिशियल लिमिटेड (पीजीएमओएल) के प्रशिक्षकों ने रेफरियों की मदद की जिससे रेफरियों के लिए प्रशिक्षक नियुक्त करने का विचार आया। रविशंकर ने कहा, आईएसएल में पीजीएमओएल होते हैं जो लंदन से आते हैं। वह कई सारे मैच देखते हैं और रेफरी विभाग में अपनी रिपोर्ट जमा करते हैं और इस रिपोर्ट को रेफरियों के साथ साझा किया जाता है।

डीडीसीए ने मिनी चुनावों पर खत्म किए 27 लाख रुपये

नई दिल्ली।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने छोटे चुनावों में 27 लाख की भारी भरकम रकम खत्म की है जिसमें से 15 लाख तो उसने निर्वाचन अधिकारी नवीन बी चावला को दिए हैं। यह खर्चा उस खर्चे का 13 गुना है जो उसने 2018 के चुनावों पर किया था। उस समय डीडीसीए ने दो लाख रुपये के लगभग खत्म किए थे। उस समय चुनावों में शामिल रहे एक सूत्र ने बताया कि 2018 में जब डीडीसीए की शीर्ष परिषद के सभी 12 पदों के लिए चुनाव कराए थे तो डीडीसीए ने उस समय राकेश मेहता को दो लाख रुपये दिए थे। परिषद के एक सदस्य ने कहा कि अब जब सिर्फ छह पदों के लिए चुनाव हुए हैं तो डीडीसीए ने 27.68 लाख रुपये खर्च किए हैं। डीडीसीए की शीर्ष परिषद के सदस्य ने आईएएनएस से कहा, 27.68 लाख रुपये में से 15 लाख तो चावला को दिए गए हैं। उन दो सहायकों को तीन-तीन लाख रुपये दिए। वहीं चुनावों में सहायता करने वाले वकील गौतम दत्ता को पांच लाख दिए गए। छह बूथों पर टेन्ट एवं अन्य चीजों पर 1.68 लाख रुपये खत्म किए गए। रोचक बात यह है चुनावों से पहले डीडीसीए की शीर्ष परिषद ने गौतम दत्त को स्टैंडिंग काउंसेल और लीगल रिटेनर के पद से हटा दिया था। उनके साथ अंकुर चावला को भी हटाया गया था। डीडीसीए के पूर्व लोकपाल न्यायाधीश (सेवानिवृत) दीपक वर्मा ने मार्च में चुनावों के भुगतान का प्रस्ताव रखा था और संघ की शीर्ष परिषद ने भी उसे मंजूरी दे दी थी। वर्मा के स्थान पर बादर दुरेज एहमद ने यह जिम्मेदारी संभाली। चुनावों में चावना को और उनके दो सहयोगियों को भरी भरकम रकम देने के बाद भी चुनावों में कई तरह की खामियां भी रहीं। डीडीसीए के सदस्यों की सूची में कई ऐसे लोगों के नाम थे जिनका निधन हो गया है, ऐसे ही कुछ नाम थे अरुण जेटली, चेतन चौहान, सुरिंदर सिंह सरीन और ध्रूव बत्रा।

डीडीसीए की शीर्ष परिषद के सदस्य ने कहा कि चुनावों पर भरपूर पैसा खत्म करने के बाद भी परिणाम देरी से आए और आधिकारिक तौर पर 24 घंटे बाद परिणामों की घोषणा की गई। उम्मीदवारों को हालांकि आंतरिक तौर पर 10 नवंबर की सुबह ही परिणामों की जानकारी दे दी गई थी। शीर्ष परिषद के दो सदस्यों ने आईएएनएस को बताया कि भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा, शीर्ष परिषद ने चावला और उनके सहयोगियों को किए जाने वाले भुगतान के न्यायाधीश वर्मा के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया था। भुगतान किया भी जा चुका है। चावला के सहायक एस.के. मेनडिराटा ने भुगतान के मिलने की पुष्टि भी कर दी है।

बुमराह, आर्चर ने आईपीएल-13 में डाली सबसे ज्यादा खाली गेंदें

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने आईपीएल-13 में सबसे ज्यादा खाली गेंद डाली है। दोनों ने आईपीएल-13 में 175-175 खाली गेंदें फेंकी। सबसे ज्यादा खाली गेंदे फेंकने वाले शीर्ष-10 गेंदबाजों में चार भारतीय हैं और इसमें बुमराह का नाम भी शामिल है। शीर्ष-10 में जो अन्य भारतीय हैं, उनमें किंग्स इलेवन पंजाब के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी (140 खाली गेंदें) नंबर-8 पर, सनराइजर्स हैदराबाद के टी.नटराजन (136 खाली गेंदें) नंबर-9 पर, पंजाब के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई (122 खाली गेंदें) नंबर-10 पर हैं। इस सूची में हैदराबाद के लेग स्पिनर राशिद खान 168 खाली गेंद फेंक तीसरे स्थान पर है। उनके बाद दिल्ली कैपिटल्स के एनरिक नॉर्टजे (160 खाली गेंदें) नंबर-4 पर, मुंबई इंडियंस के ट्रेंट बाउल्ट (157 खाली गेंदें) नंबर-5 पर, दिल्ली के ही कागिसो रबादा (156 खाली गेंदें) नंबर-6 पर, कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज पैट कमिंस (140 गेंदें) नंबर-7 पर हैं। मुंबई ने मंगलवार रात को दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में हरा पांचवां आईपीएल खिताब जीता। उसकी इस जीत में बुमराह और बाउल्ट ने बड़ा रोल निभाया है। वहीं दिल्ली पहली बार लीग के फाइनल में खेली थी। उसे यहां तक पहुंचाने में रबादा और एनरिक की बड़ी भूमिका थी। रबादा ने आईपीएल-13 में सबसे ज्यादा 30 विकेट से पर्पल कैप अपने नाम की। बुमराह 27 विकेटों के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे।

दिल्ली ने उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन हमेशा लड़ी : पंत

दुबई । आईपीएल-13 के फाइनल में मुंबई इंडियंस के हाथों मात खाने वाली दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि उनकी टीम अगले सीजन मजबूती से वापसी करेगी। पंत ने बुधवार को ट्वीट करते हुए कहा, सीजन का अच्छा अंत नहीं कर सके इससे निराश हैं। हमने उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन हमने हमेशा लड़ने की भावना दिखाई है। टीम के साथियों और प्रशिक्षकों को साथ देने के लिए शुक्रिया। हमारे प्रशंसकों को ढेर सारा प्यार। हम मजबूती से वापसी करेंगे। पंत ने मंगलवार रात को खेले गए फाइनल में 56 रनों की पारी खेली और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर 96 रनों की साझेदारी निभा टीम को सात विकेट के नुकसान पर 157 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई ने 18.4 ओवरों में पांच विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली पहली बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन वह खिताबी सूखे को खत्म नहीं कर पाई और मुंबई ने अपना पांचवां आईपीएल खिताब जीता।

आस्ट्रेलिया के लंबे दौरे पर टीम इंडिया सिडनी पहुंची

सिडनी।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम 27 नवंबर से आस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाली सीरीज के लिए गुरुवार को यहां पहुंच गई। विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी आईपीएल-13 में विभिन्न टीमों की ओर से भाग लेने के बाद बुधवार रात दुबई से सिडनी के लिए रवाना हुई। इस दौरान टीम के खिलाड़ी पीपीई किट पहने हुए थे।

भारतीय टीम के साथ साथ आईपीएल में भाग लेने वाले आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर भी सिडनी पहुंचे हैं। दोनों टीम के खिलाड़ी अब दो सप्ताह के अनिवार्य क्वारंटाइन में रहेंगे। भारतीय 27 नवंबर को सिडनी में होने वाले पहले वनडे से अपने दौरे की शुरुआत करेगी। सिडनी में ही 29 नवंबर को दूसरा वनडे जबकि दो दिसंबर को कैनबरा में तीसरा वनडे खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीम चार, छह और आठ दिसंबर को तीन मैचों की टी-20 खेलेगी और फिर 17 दिसंबर से एडिलेड में पहला टेस्ट मैच खेलेगी, जोकि डे-नाइट टेस्ट मैच होगा। एडिलेड में होने वाले पहले डे नाइट टेस्ट मैच के बाद दोनों टीमें 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में दूसरा टेस्ट, 7 जनवरी 2021 से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एसजीसी) में तीसरा टेस्ट और 15 जनवरी 2021 से गॉबा में चौथा और अंतिम टेस्ट मैच खेलेगी।

बीबीएल-10 के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स में लौटे फिल साल्ट

एडिलेड । सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट बिग बैश लीग (बीबीएल) के 10वें सीजन के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स में दोबारा लौटेंगे। पिछले साल बीबीएल में पदार्पण करने वाले दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 361 रन बनाए थे। स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने 24 साल के इस खिलाड़ी की तारीफ की है। उन्होंने कहा, हम फिल के बीबीएल के आगामी सीजन के लिए दोबारा स्ट्राइकर्स के साथ शामिल होने पर खुश हैं। वह जितने अच्छे क्रिकेटर हैं उतने ही अच्छे इंसान हैं। वह मैदान के अंदर और बाहर टीम में काफी योगदान देंगे। हम इस बात से बेहद खुश हैं कि वह दोबारा हमारी टीम में आ रहे हैं। फिर बीबीएल में शानदार फॉर्म के साथ आ रहे हैं। उन्हें आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई सीरीज के लिए इंग्लैंड की वनडे टीम में जगह मिली थी। फिल ने कहा, पिछले साल मैंने पहला बीबीएल खेला था और जिस तरह का स्तर है वो देखने को मिला था। एक बार फिर बीबीएल में स्ट्राइकर्स के साथ खेलने का प्रस्ताव मेरे पास आई तो मैं न नहीं कह सका।

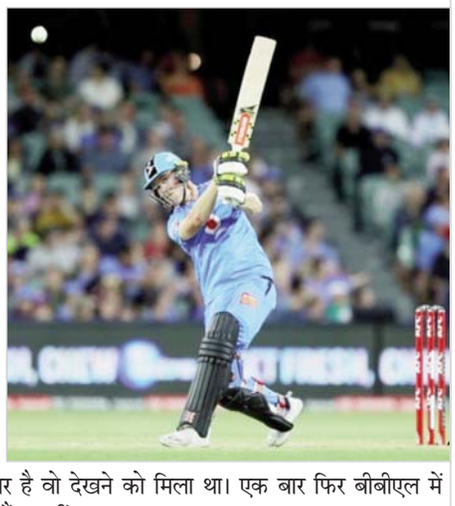

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलर्जी वाले परफयूम से बचें

आमतौर पर परफयूम सिंथैटिक होते हैं और कैमिकल्स से बने होते हैं। ये केमिकल्स स्किन के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इन से एलर्जी भी हो जाती है जैसे दाने, ड्राइनैस, जलन यहां तक कि पिगमैंटेशन भी हो जाती हैं। संवेदनशील स्किन के लिए तो ये बहुत हानिकारक साबित होते हैं। अगर स्किन में किसी तरह का रिएक्शन हो जाए तो प्रभावित स्थान को ठंडे पानी से धोएं। फिर अच्छा मॉयश्चराइजर लगाएं। उस जगह को खुजलाएं नहीं वरना सूजन हो सकती है। ऐसे नैचुरल परफयूम का इस्तेमाल करें जिस में कैमिकल्स न हों।

साइट्रस- संतरे या नीबू की खुशबू वाला परफयूम पूरे दिन मूड को ठीक रखता है। इसे दिन में लगाएं, पूरे दिन एक्टिव और फ्रैश महसूस करेंगी।

वुडी- ये परफयूम गरम होते हैं। इन्हें लगाने के बाद सैक्स संबंधित तंत्रिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं। इन्हें अंतरंग पलों में लगाने से रिश्ते में प्रगाढता आती है। इससे शाम या रात के समय ही लगाएं।

फलोरल- इसे डेली, कारनेशन, गार्डेनिया, जैस्मिन, औरेंज ब्लौसम आदि फलोरल खुशबुओं से तैयार किया जाता है। कई बार इन सारी खुशबुओं को एकसाथ भी मिला कर बनाया जाता है इसका प्रयोग गर्मी में करना बेहतर रहता है। फूलों की खुशबू वाले परफयूम रिलैक्सेशन तो देते ही हैं, सैक्स अपील भी बढ़ाते हैं।

स्पाइसी- इसकी खुशबू बहुत तेज होती है। अगर किसी काम में मन न लग रहा हो तो इसे लगाने से निश्चय ही काम का जुनून पैदा हो जाएगा।

शादी का बंधन है जरूरी

पच्चीस वर्षीय रागिनी के घर में पिछले 2-3 हफ्तों से शादी का हल्ला-गुल्ला चल रहा था। न...न... ये हल्ला-गुल्ला शादी के रस्मों-रिवाज, मेहमानों की चिल्ल-पौं और खुशियों की धमाचौकड़ी से नहीं उपजा है। असल में तो पिछले दिनों रागिनी के माता-पिता उसकी शादी के लिए एक रिश्ते लाने की गुस्ताखी कर बैठे। गुस्ताखी इसलिए क्योंकि रागिनी को शादी के बंधन में बँधने से इंकार है। उसे लगता है कि इसकी कोई जरूरत नहीं। क्या आप भी ऐसा ही कुछ सोचते हैं?

रागिनी ने इस पर न सिर्फ घर में वबाल मचाया बल्कि अपने पापा से यह भी कह दिया कि यदि आज के बाद मेरे लिए कोई रिश्ते लेकर आए तो मैं घर छोड़कर चली जाऊँगी। उसकी इन बातों ने उसके पिता को बुरी तरह झकझोर दिया। वे डर गए कि कहीं उनकी बेटी शादी के दबाव के चलते कोई गलत कदम न उठा ले। अंततः उन्होंने तय किया कि अब उसके लिए कोई नया रिश्ता नहीं देखेंगे।

वहीं पिछले दिनों जब रागिनी अपनी एक सहेली की बहन की शादी में गई तो वहाँ पाया कि नया जोड़ा और कई अन्य शादीशुदा जोड़े पूरी तन्मयता से विवाह की रस्में एन्ज्वॉय कर रहे थे। यही नहीं कुछ रस्में तो बड़ी ही दिल छू लेने वाली थीं और कई अविवाहित युवकन्युवतियाँ भी मनोयोग से उन्हें देख-सुन रहे थे।

इसके कुछ ही दिनों बाद रागिनी का अपनी बचपन की सहेली रेशमी के घर जाना हुआ। उसने वहाँ देखा कि किस तरह रेशमी का पति देवेश उसकी छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखता है। वह अपने से ज्यादा रेशमी की फिक्र करता है। इन सभी बातों के कारण अंततः रागिनी के मन में भी शादी करने की भावना जागने लगी।

रागिनी ही नहीं बल्कि ज्यादातर लड़कियाँ जो 20 साल के पड़ाव से गुजर रही होती हैं, शादी से दूर भागती हैं। दरअसल कहने का मतलब यह है कि जमाना बदल चुका है, सोच-विचार में खुलापन आया है, लिव-इन-रिलेशनशिप तक को अर्ध कानूनी मान्यता मिल चुकी है। इन सबके बावजूद शादी आज भी हमारी जरूरत है।

अच्छी बात यह है कि इस दौर में भी शादी के मायने हमारे लिए नहीं बदले हैं। हम यह भलीभाँति जानते हैं कि हमें हर मोड़ पर किसी विशेष व्यक्ति की जरूरत होती है जो हमारी बातों को हमारी आँखों से समझ जाए। कोई ऐसा हो जो हमें हमसे बेहतर जानता हो, हमारे लिए जीता हो। शादी हमारी भावनाओं को भी एक खास मुकाम देती है।

अक्सर देखा जाता है कि 30 या 35 साल की उम्र के बाद जो पुरुष या महिला अकेले होते हैं, उन्हें अकेलापन कचोटता है। वे अपनी तन्हाइयों से घिरे होते हैं। नतीजतन आम लोगों की तुलना में ये ज्यादा कठोर हो जाते हैं।

समाजशास्त्रियों का मानना है कि ताउम्र अकेले रहना कोई आसान काम नहीं है। अकेले में न हमारी भावनात्मक जरूरतें पूरी हो पाती हैं, न ही हम अपने दिल की बात किसी से शेयर कर पाते हैं। फिर समाज ऐसी महिलाओं क्या पुरुषों तक को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता।

वजह चाहे जो भी हो महिला हो या पुरुष दोनों के लिए ही जीवनसाथी की बेहद जरूरत होती है। जिंदगी जीने के लिए हमारे पास एक साथी का होना बहुत जरूरी है। सिर्फ इसलिए नहीं कि हमें समाज का हिस्सा बनना है बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह हमारी मानसिक जरूरत है वरना हम जिंदगी के हर मोड़ पर खुद को अकेला पाते हैं और इसकी पूर्ति कोई अन्य शख्स नहीं कर सकता।

सो, जिंदगी चाहे कितनी ही तेजी से आगे क्यों न बढ़ रही हो, समय हमारे लिए जीवनसाथी की कमी को कभी पूरा नहीं कर सकता। अतः शादी आज भी हमारे लिए उतनी ही अहम है जितनी कि पुराने जमाने में हुआ करती थी।

दुल्हन श्रंगार

सभी चाहते हैं कि उनके विवाह में सबका ध्यान उनकी तरफ हो पर खूबसूरत दिखने के लिये केवल मेकअप ही काफी नही हैं। विवाह के कुछ दिन पहले से करे अपनी सही देखभाल और पायें सबकी आँखों में अपने लिये तारीफ की चमक।

त्वचा की देखभाल

साफ सफाई : रोज रात को सोते वक्त और सुबह किसी अच्छे क्लीजर से चेहरे की सफाई करें।

फेसमास्क : फेसमास्क हफ्ते में दो बार लगायें। यह चेहरे को ताजगी व त्वचा को कसावट देगा। त्वचा के अनुरूप फेसमास्क लगायें बेहतर होगा हर्बल फेसमास्क का उपयोग करें।

मॉइश्चराइजर : यह आपकी त्वचा से अतिरिक्त तेल खींच लेता है और यदि क्लींजर का इस्तेमाल करने के बाद भी त्वचा पर गंदगी रह गई, तो उसे भी साफ कर देता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से त्वचा के पोर भी सिकुड़ जाते हैं, जिससे ज्यादा इकट्ठी नहीं हो पाती।

सनटैन : विवाह संबंधी कार्यों के सिलसिले में अक्सर बाहर जाना होता है। सूर्य की तेज किरणें आपकी त्वचा को कांतिहीन बना देती है। धूप में निकलने से पहले अपनी त्वचा के प्रकार के मुताबिक सनस्क्रीन लगायें।

वैक्सिंग : विवाह के छः हफ्ते पहले वैक्सिंग करवा लें। छह हफ्तों में बाल पुनरू पूरी तरह विकसित हो जाते हैं। अब शादी के ठीक पहले वैक्सिंग करवाने से त्वचा साफ-सुंदर-कोमल दिखेगी।

बालों की देखभाल

हेयर स्टाइल : शादी पर हेयर स्टाइल कैसी रहेगी, ये पहले से तय करें। यदि छोटे बालों वाली स्टाइल सूट करती हो तो छह हफ्ते पहले बाल ट्रिम कटवा लें। बाद में कोई दूसरी हेयर स्टाइल बिलकुल न करवायेजो पहले कभी न करवाई हो। स्टाइल जितनी सहज हो, उतना ही अच्छा।

हेयर-ड्रायर : कुछ हफ्ते पहले से हेयर ड्रायर और वॉल्यूमनाइजर का इस्तेमाल बंद कर दें। शादी और उसके बाद के अवसरों पर यूं भी इनका काफी इस्तेमाल करना पड़ता है।

तेल-अच्छी शैम्पू : शैम्पू से पहले गर्म तेल को बालों में अच्छी तरह मालिश करें। बालों में अच्छी तरह मालिश करें। बालों में कंडीशनर भी शादी तक न लगायें।

महिलाओं में स्लिम दिखने की चाहत

स्लिम दिखने के साथ हर वक्त फिट रहना महिलाओं की पहली चाहत बन रही हैं। दिल्ली और मुंबई, कोलकाता, चैन्नई, बैगलुरू पुणे, हैदराबाद, नागपुर, भोपाल आदि बड़े शहरों में आधुनिक महिलाएं अपने फिटनेस पर ज्यादा ध्यान देने लगी हैं। योग, जिम या ऐरोबिक्स कुछ भी करके वह अपने आप को फिट रखना चाहती हैं।

अपना मनपसंद खाना छोड़ सूप और सलाद खाकर रहती हैं। रेस्तरां में भी वे ऐसी चीजें मंगवाती हैं, जो सेहत के हिसाब से उनके लिए सही हों। ज्यादा तला-भुना या मसालेदार खाने से उन्हें परहेज हैं। महिलाएं पहले से कहीं ज्यादा अपनी फिटनेस को लेकर जागरूक हो रही हैं। वह फिटनेस एक्सपर्ट के पास जाकर एक्सरसाइज और डाइट के बारे में जानने लगी हैं। कई फिटनेस एक्सपर्ट की राय में महिलाएं पहले के मुकाबले अब कहीं ज्यादा चुस्त दिखना चाहती हैं।

स्कीन की ज्यादा देखभाल

महिलाएं न सिर्फ सेहत, बल्कि अपनी स्कीन की भी पूरी देखभाल करती हैं। सौंदर्य प्रसाधनों से बाजार भरा पड़ा हैं। जगह-जगह ब्यूटी सैलून खुल गए हैं, जो महिलाओं को सुंदर बनाने में सुबह से शाम तक जुटे रहते हैं। साधारण मॉश्चराइजर से लेकर एंटी टैनिंग और एंटी एजिंग क्रीम का इस्तेमाल बढ़ रहा है। बढ़ती उम्र चेहरे पर न दिखें, इसके लिए तीस पार कर चुकी महिलाएं हर तरह का जतन करती है। केमिस्ट की दुकान चला रहे राज भार्गव का कहना हैं कि महिलाएं उनसे एंटी एजिंग क्रीम की ज्यादा डिमांड करती हैं। क्रीम काफी महंगी पड़ती हैं, पर बात जब खूबसूरती की हो, तो फिर पैसे की बात कहां।

योगा पर भी ध्यान

जिम और एरोबिक्स के साथ योग आधुनिकाओं की आदत में शुमार हो चला हैं। चुस्त और पतली दिखाने की चाह में। बूटकैंप और मसाला योगा दो ऐसे व्यायाम हैं, जिन्हें युवतियां और महिलाएं ज्यादा पसंद कर रही हैं। जिम में भी युवतियां खासी दिलचस्पी ले रही हैं। जिम चला रहे कई लोगों की राय में महिलाओं की मेंबरशिप में पहले से करीब 35 प्रतिशत इजाफा हुआ हैं।

खान-पान में बदलाव

युवतियों और महिलाओं में खान-पान को लेकर काफी बदलाव आया हैं। महिलाओं ने अपने खान-पान में खासा फेरबदल किया हैं। ज्यादा तला-भुना, ज्यादा मसालेदार या वैसी चीजें जो उनके वजन को अनियंत्रित कर दें, उन्हें बिल्कुल खाना पसंद नहीं करती। अपनी डाइट में मल्टीग्रेन, ऑरगेनिक फूड, सूप और सलाद जैसी चीजें शामिल करती हैं। आरगेनिक फूड की सबसे ज्यादा डिमांड हैं। एक सर्वे के अनुसार दस में से आठ महिलाएं चाहे, वह हाउसवाइफ हो या वर्किंग, हर किसी ने अपने खान-पान में बदलाव किया है।

चाहिए स्लिम फिगर

अपने वेस्ट और हिप साइज को सही रखने के लिए महिलाएं खूब पसीना बहाती हैं। ज्यादा से ज्यादा युवतियां और महिलाएं डाक्टर के पास सिर्फ यह पूछने जाती हैं कि वे अपने वजन को कैसे कम करें ताकि वे मोटापा, हाइपरटेंशन और डायबीटिज से बच सकें। महिलाएं अब अपने पसंदीदा स्टार को फिट रहने के तरीके बताते हुए देखती हैं, तो उन्हें उन पर भरोसा बढ़ जाता हैं। फिटनेस आइकन जैसे बिपाशा बसु, शिल्पा शेट्टी, प्रिटी जिंटा और लारा दत्ता जैसी दिखने के लिए पूरा जोर लगा देती हैं।

पहनावा भी बदला

महिलाएं जहां पहले साड़ी और सलवार कमीज में लिपटी होती थीं, वहीं अब तरह-तरह के परिधान बाजार की शोभा बढ़ा रहे हैं। इन्हें पहनने के लिए महिलाओं का फिट होना बेहद जरूरी हैं। जींस-टॉप, मिनी स्कर्ट, कैप्री, लेगिंग्स, कुर्ती इन सब के लिए शरीर सही शेप में होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सू ची की पार्टी को मिला है बहुमत

म्यांमार में सेना समर्थित पार्टी ने चुनाव को नकारा

यांगून। म्यांमार में सेना समर्थित मुख्य विपक्षी पार्टी ने पिछले सप्ताहांत देश में हुए आम चुनाव को पक्षपातपूर्व बताते हुए परिणाम को बुधवार को खारिज कर दिया।

मंगलवार को आए अनधिकारिक चुनाव परिणाम के अनुसार, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची की सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) को बहुमत प्राप्त हुआ है और वह अगले पांच साल तक सत्ता पर काबिज रहेगी।

म्यांमार के सबसे बड़े शहर यांगून में बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यूनियन सॉलीडरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी (यूएसडीपी) के एक अधिकारी ने बयान जारी कर केन्द्रीय चुनाव आयोग से फिर से मतदान करवाने और सेना के साथ मिलकर काम करने की मांग की ताकि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हो सके।

केन्द्रीय चुनाव आयोग के एक सदस्य ने राजधानी ने पी ता में आयोजित एक अन्य संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आयोग को यूएसडीपी के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी है क्योंकि हमें नहीं पता है कि उनके आरोप किस तरह के तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित हैं। चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर विभिन्न समूहों से जुड़े करीब 50 लोग तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे थे और चुनाव की वैधता पर सवाल उठा रहे थे। बाद में पुलिस ने इन सभी को वहां से जाने के लिए कहा।

यूएसडीपी द्वारा जारी बयान से एक दिन पहले पार्टी अध्यक्ष थान हत्ये ने कहा था कि चुनाव प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। उन्होंने मंगलवार को फेसबुक पर पोस्ट एक वीडियो में कहा, ''पूरी चुनाव प्रक्रिया में कई विवादास्पद घटनाएं हुई हैं, कानून के अनुरुप हो या नहीं, और तथ्य सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा था, ''हम अंतिम परिणाम पाने के लिए कानून के अनुरुप काम करते रहेंगे।

स्वतंत्र मतगणना सेवा प्रदाता 'यवे मल' के अनुसार, बुधवार तक सू ची की पार्टी को ऊपरी और निचले सदन में मिलाकर कुल 361 सीटें मिली हैं, जबकि सरकार बनाने के लिए जादुई आंकड़ा 322 सीटों का है। उसका कहना है कि यूएसडीपी को अभी तक 21 सीटें मिली हैं, जबकि अन्य दलों के हिस्से में 48 सीटें आई हैं।

चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी हो रहे परिणाम, अनधिकारिक परिणाम के मुकाबले काफी पीछे चल रहे हैं, लेकिन उनमें सू ची की पार्टी एनएलडी को फायदा होता दिख रहा है। उसने पुष्टि की है कि सू ची अपनी सीट से जीत गई हैं और एनएलडी ने सोमवार को जीत का दावा भी किया।

आखिर क्यों पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास को मांगनी पड़ी पीएम इमरान खान से माफी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास ने एक ट्विटर पोस्ट साझा करने के लिए माफ मांगी है, जिसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को परोक्ष रूप से ''दुर्जनों का नेता और तानाशाह बताया गया। अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार की रात को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के नेता अहसान इकबाल के एक पोस्ट को री-ट्वीट किया जिसमें उन्होंने 'द वॉशिंगटन पोस्ट' के एक लेख का स्क्रीनशॉट दिखाया, जिसका शीर्षक है 'ट्रंप की हार दुनिया के दुर्जनों के नेताओं और तानाशाहों के लिए झटका है।

स्क्रीनशॉट के साथ इकबाल ने लिखा, ''पाकिस्तान में भी हमारे पास एक हैं। जल्द ही उन्हें भी बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इकबाल की पंक्तियां स्पष्ट रूप से इमरान खान की ओर इशारा कर रही थीं। दूतावास का पोस्ट कुछ ही समय के अंदर वायरल हो गया और खान के पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के समर्थकों ने इसका जोरदार विरोध किया। दूतावास ने बुधवार को अपने ट्विटर अकाउंट पर कहा, ''अमेरिकी दूतावास इस्लामाबाद के ट्विटर अकाउंट का पिछली रात बिना अधिकार के इस्तेमाल किया गया। अमेरिकी दूतावास राजनीतिक संदेशों को पोस्ट करने या उन्हें फिर से ट्वीट करने का समर्थन नहीं करता है। अनधिकृत पोस्ट से जो भ्रम फैला, उसके लिए हम माफी मांगते हैं। इसके बाद दूतावास ने पोस्ट को हटा दिया।

उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु हथियार से जुड़ी संस्था IAEA को बताया 'कठपुतली'

संयुक्त राष्ट्र। उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु कार्यक्रमों से जुड़ी निगरानी संस्था आईएईए को 'कठपुतली' करार देते हुए कहा कि यह शत्रुतापूर्ण रवैया रखनेवाले पश्चिमी देशों की 'धुनों' पर नाचती है। उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र की निगरानी संस्था द्वारा उसके परमाणु कार्यक्रम के संबंध में जुटाई गई जानकारियों में घोर असंगतियां रेखांकित करते हुए कहा कि यह जानकारियां अटकलों और जाली तथ्यों पर आधारित है। उत्तर कोरिया के दूत किम सोंग ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में अपने भाषण में ये बाते कहीं। यहां अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के कार्यकारी अधिकारी राफेल ग्रोसी ने प्योगयांग की परमाणु संबंधी गतिविधियों को 'बेहद अफसोसजनक और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का 'स्पष्ट उल्लंघन करार दिया था। आईएईए का कोई भी निरीक्षक उत्तर कोरिया में 2009 से नहीं मौजूद है क्योंकि प्योंगयांग ने उन्हें बर्खास्त कर दिया था। एजेंसी ने एक सितंबर 2020को अपनी रिपोर्ट में कहा था कि किम जोंग उन को निरीक्षण संबंधी काम करनेवाले वाले अधिकारियों को फिर से बहाल करना चाहिए। सोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया ने आईएईए से काफी समय पहले संबंध खत्म कर लिया था और यह भूला नहीं है कि कैसे इस संस्था ने प्योंगयांग पर दबाव बनाने के लिए शत्रुतापूर्ण रवैया रखनेवाली ताकतों का पक्ष लिया और उत्तर कोरिया के शांतिपूर्ण परमाणु केंद्रों को 90 के शुरुआती दशक से ही संदेह से देखा। सोंग ने कहा कि जब तक आईएईए उत्तर कोरिया के खिलाफ काम करने के लिए शत्रुतापूर्ण रवैया रखनेवाली ताकतों की धुनों पर नाचता रहेगा तब तक प्योंगयांग आईएईए के साथ संबंध रखने को तैयार नहीं है।

'भारत के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग की साझेदारी को प्राथमिकता देंगे जो बाइडेन',

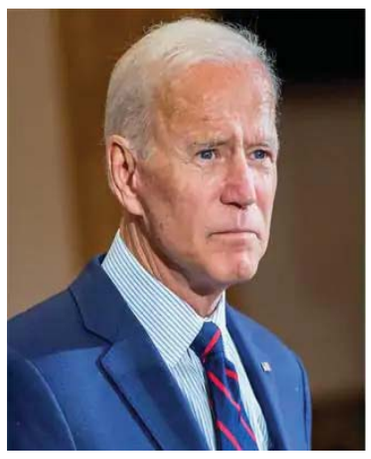

वॉशिंगटन। अमेरिका में बराक ओबामा प्रशासन में शामिल रहीं एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन भारत-अमेरिका संबंध के समर्थक रहे हैं और उनका प्रशासन नई दिल्ली के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग को प्राथमिकता देने की नीति बरकरार रखेगा। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में काफी प्रगति हुई।

अमेरिकी मीडिया ने बाइडेन को 2020 राष्ट्रपति चुनाव का विजेता बताया है। ट्रंप ने अब भी अपनी हार स्वीकार नहीं की है और वह कई कड़े मुकाबले वाले निर्णायक राज्यों में कानूनी लड़ाई की बात कर रहे हैं। इसी बीच भारत-अमेरिका के संबंधों पर भी काफी चर्चा हो रही है कि नए प्रशासन में यह किस रूप में रहेगा।

काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (सीएफआर) में भारत, पाकिस्तान और दक्षिण एशिया की फेलो एलिसा आयरस ने को बताया कि नव निर्वाचाति राष्ट्रपति बाइडन की ओर से बताई गई प्राथमिकताओं के आधार पर वह यह कह सकती हैं कि बाइडन-हैरिस प्रशासन भारत के साथ रक्षा और सुरक्षा संबंधों को उच्च प्राथमिकता वाली सूची में रखेंगे।

'आवर टाइम हैज कम: हाउ इंडिया इज मेकिंग इट्स प्लेस इन द वर्ल्ड' की लेखिका आयरस 2010 से 2013 के बीच दक्षिण एशिया मामलों के लिए उप विदेश मंत्री रह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन अमेरिका और भारत के संबंधों के शुरुआती समर्थकों में शामिल हैं। बाइडन 15 साल पहले भी अमेरिका और भारत को 'दुनिया के सबसे करीबी देश' के रूप में देखते थे।

आयरस ने कहा कि बाइडन ने अमेरिकी संसद में भारत के साथ असैन्य परमाणु समझौते का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि बाइडन की कोरोना वायरस महामारी से लड़ने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने की वैश्विक प्राथमिकताओं में इस बात की जरूरत है कि भारत के साथ अमेरिका का करीबी संबंध रहे।

जो बाइडेन की सरकार में भी कम नहीं होंगी पाकिस्तान की मुश्किलें, आतंकवाद पर कार्रवाई के लिए अमेरिका बनाएगा दबाव

वॉशिंगटन। बाइडेन प्रशासन पाकिस्तान से अपने रिश्तों पर, आतंकवाद से संबंधित मुद्दों पर कार्रवाई करने के लिए दबाव डालने पर और अफगानिस्तान में शांति बहाल करने के अमेरिका के प्रयासों में साथ देने के मुद्दों पर परिणामवादी रुख अपना सकता है। एक पूर्व शीर्ष पाकिस्तानी राजनयिक ने यह बात कही। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रहे हुसैन हक्कानी ने बताया कि पाकिस्तान के साथ रणनीतिक वार्ता प्रक्रिया को फिर से शुरू किया जा सकता है, लेकिन यह उस स्तर या पैमाने पर नहीं होगा जैसा ओबामा प्रशासन के दौरान था। उन्होंने कहा, ''संभावना है कि बाइडन प्रशासन इस्लामाबाद के प्रति कड़ा रुख अपनाएगा।

अमेरिका पाकिस्तान को एफएटीएफ के मुद्दे सहित आतंकवाद से संबंधित मुद्दों पर कार्रवाई करने और अफगानिस्तान में शांति बहाल करने के अमेरिकी प्रयासों का समर्थन करने के लिए कहता रहेगा। इसकी संभावना नहीं है कि बाइडन प्रशासन सुरक्षा सहायता या गठबंधन सहायता निधि के लिए पाकिस्तान को फिर से धन देना शुरू करेगा। गौरतलब है कि ट्रम्प प्रशासन ने आतंकवादी समूहों पर लगाम लगाने में विफल रहने के बाद 2018 में पाकिस्तान को सुरक्षा सहायता निलंबित कर दी। 2018 में पाकिस्तान की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा था कि उन्हें इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान सरकार के साथ संबंध ठीक होने की उम्मीद है। वर्तमान में वॉशिंगटन में हडसन इंस्टीट्यूट के थिंक टैंक के वरिष्ठ सदस्य हक्कानी ने कहा कि चीन के साथ पाकिस्तान के घनिष्ठ संबंधों और वहां लोकतंत्र के अभाव और मानवाधिकारों की अवहेलना को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

इमरान खान की पार्टी दो पीएमएल- कायदे के हैं, तीन पीएमएल- नवाज के तथा पीपीपी और एएनपी का एक-एक सांसद अरबपति है।

इमरान आठ करोड़ से अधिक की संपत्ति

प्रधानमंत्री इमरान खान के पास आठ करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। इसमें बानी गाला का 300 कनाल का विला शामिल नहीं है, जिसे वह उपहार बताते हैं। खान लाहौर के जमन पार्क के घर समेत 600 एकड़ की कृषि और गैर कृषि भूमि को पुश्तैनी जायदाद बताते हैं। दो लाख रुपये मूल्य की चार बकरियां हैं। उनके पास 7.753 करोड़ रुपये नकद और बैंक खाते में हैं। 518 पाउंड विदेशी मुद्रा जमा है तथा दो अन्य खातों में 3.31 लाख डॉलर जमा है।

बिलावल यूएई में दो बेशकीमती विला

पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी की कुल संपत्ति डेढ़ अरब रुपये से कुछ ज्यादा है। उनके पास पाकिस्तान से अधिक संपत्ति संयुक्त अरब अमीरात में है। बिलावल के पास 30 लाख रुपये मूल्य के हथियार भी हैं। उनकी दुबई स्थित दो विला में हिस्सेदारी है उनके पास पाकिस्तान में 19 संपत्तियां हैं जिनमें 200 एकड़ से अधिक की भूमि शामिल है।

विजय माल्या के प्रत्यर्पण पर ब्रिटेन बोला भारत भेजने के संबंध में कानूनी मुद्दों के समाधान का प्रयास हो रहा है

एजेंसी, नई दिल्ली। ब्रिटेन ने मंगलवार को कहा कि गोपनीय कानूनी मसले के समाधान तक विजय माल्या को भारत प्रत्यर्पित नहीं किया जा सकता और वह जल्द मुद्दे के समाधान का प्रयास कर रहा है। मई में भगोड़ा कारोबारी माल्या धन शोधन और धोखाधड़ी के मामलों का सामना करने के लिए भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में अपनी अपील हार गया था। ब्रिटेन की कार्यवाहक उच्चायुक्त जेन थॉम्पसन ने कहा, आगे इसमें कानूनी मुद्दे हैं और इसे सुलझाने की जरूरत है। इसके बाद ही हम माल्या को प्रत्यर्पित करने की स्थिति में होंगे। इसलिए अभी इस पर ठोस तरीके से कुछ बता पाना कठिन है। वह ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन के दौरान सवालों के जवाब दे रही थीं। थॉम्पसन ने कहा, संबंधित कानूनी मुद्दे के समाधान तक प्रत्यर्पण नहीं हो सकता। यह गोपनीय मुद्दा है। मैं इस पर ज्यादा कुछ नहीं कह सकती हूं। यह भी अंदाजा नहीं है कि कब तक यह सुलझ जाएगा। हम जल्द से जल्द इसे सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में माल्या की अपील खारिज होने के बाद भारत उसके प्रत्यर्पण पर जोर दे रहा है। भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ ब्रिटेन की शीर्ष अदालत में अपील खारिज होने के पहले अप्रैल में उच्च न्यायालय में भी उसकी अपील खारिज हो गयी थी। भारत ने जून में ब्रिटेन से अनुरोध किया था कि वह माल्या के शरण के आग्रह पर विचार नहीं करे। माल्या मार्च 2016 से ही ब्रिटेन में है और 18 अप्रैल 2017 को स्कॉटलैंड यार्ड (लंदन पुलिस) द्वारा प्रत्यर्पण वारंट की तामील किए जाने के बाद से वह जमानत पर है।

जो बाइडन ने रॉन क्लैन को 'व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ' नियुक्त किया

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के विजेता और आगामी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने सहयोगी रॉन क्लैन को 'व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ' नियुक्त करने की बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को घोषणा की। बाइडन द्वारा राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद क्लैन राष्ट्रपति के कार्यकारी कार्यालय की देखरेख करेंगे और वरिष्ठ सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले जो बाइडन ने कहा, 'रॉन कई वर्षों से मेरे बेहद खास रहे हैं, जब हमने एकसाथ काम किया। वर्ष 2009 में इतिहास की सबसे बड़ी मंदी से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हमने मिलकर बचाया और बाद में वर्ष 2014 में जन स्वास्थ्य (इबोला कार्रवाई समन्वयक की भूमिका में) पर आई विपदा से निपटे।' उन्होंने कहा, 'राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के साथ काम करने का उनका लंबा, विविध अनुभव है और क्षमता ठीक वैसी ही है जैसी मुझे 'व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ' में चाहिए, क्योंकि हम संकट का सामना कर रहे हैं और हमारे देश को एकसाथ लाने की जरूरत है। वहीं क्लैन ने कहा, 'राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित जो बाइडन को इस रूप में अपनी सेवा देना एक सम्मान की बात है और उन्होंने जो विश्वास दिखाया है, उससे मैं अभिभूत हूं। मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं.. । बता दें कि क्लैन (2009-2011) में भी बाइडन के 'चीफ ऑफ स्टाफ' थे, तब बाइडन उप राष्ट्रपति थे।

पाक में बिलावल भुट्टो सहित 12 सांसद अरबपति, जानें इमरान खान के पास कितनी संपज़ि

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान की 342 सीटों वाली नेशनल असेंबली के सदस्यों में से 12 अरबपति हैं, जिनमें पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो भी शामिल हैं। मीडिया में बुधवार को प्रकाशित खबर के अनुसार अरबपति सांसदों के अलावा ज्यादातर सदस्य बेहद अमीर हैं, जिन्होंने शेयर बाजार में निवेश करने के साथ ही देश और विदेश में ढेर सारी संपत्तियां अर्जित की हैं। 12 सदस्यों के पास एक अरब रुपये से अधिक की संपत्ति है। इनमें से पांच पंजाब के हैं, पांच खैबर पख्तूनख्वा के और दो सिंध के हैं। इनमें पांच प्रधानमंत्री

कोरोना वैक्सीन आने पर सबसे पहले किसे लगाया जाए टीका, जानें क्या है ब्रिटेन के लोगों की राय

एजेंसी, लंदन। दुनियाभर के लोग कोरोना वायरस महामारी की वैक्सीन के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वे ज्यादातार समय यही सोचते हैं कि उन्हें कब वैक्सीन मिलेगी।

ब्रिटेन में नजारा इससे थोड़ा उलट है। यहां के 43 फीसदी नागरिक चाहते हैं कि वैक्सीन की खुराक पहले प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और अन्य राजनेताओं की दी जाए।

ब्रिटेन के मीडिया संस्थान डेली मेल के एक सर्वे के मुताबिक ब्रिटेन के तीन-चौथाई लोग कोविड-19 की वैक्सीन की खुराक लेने के लिए सहमत हैं। लेकिन उनमें से 40 फीसदी लोग यानी हर 10 में से चौथे व्यक्ति ने कहा कि वैक्सीन पहले नेताओं की लगाई जाए, ताकि उसके सुरक्षित होने का पक्का प्रमाण मिल सके।

सर्वे के अनुसार, ब्रिटेन के हर चार में से तीन व्यक्ति कोविड वैक्सीन लेंगे, जिनमें 10 में से लगभग 09 बुजुर्ग शामिल हैं। केवल 07 फीसदी ने कहा कि वे किसी भी परिस्थिति में वैक्सीन नहीं करेंगे। हालांकि, 10 में से 07 ने माना कि अभी लॉकडाउन प्रतिबंध रहने चाहिए।

प्रमुख सवाल :

क्या वैक्सीन पहले नेताओं को देनी चाहिए?
हां : 43%
नहीं : 41%
नहीं पता : 16%

क्या नई वैक्सीन सुरक्षित है?
हां : 41%
नहीं : 12%
नहीं पता : 48%

क्या आप बुजुर्गों को टीका लगाने की सलाह देंगे?
हां : 62%
नहीं : 16%
नहीं पता : 22%

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महालक्ष्मी सम्पूर्ण जगत का वैभव और ऐश्वर्य प्रदान करने वाली परम शक्ति हैं। इन्ही की कृपा से जीव-जन्तु समृद्धि को प्राप्त करते हैं और अन्न, जल ग्रहण कर अपना जीवनयापन करते हैं। ऐसे ही महालक्ष्मी के अनेक रूप पुराण, तन्त्र इत्यादि ग्रंथों में प्रचलित हैं। प्रस्तुत लेख में महालक्ष्मी के ऐसे ही रूपों को स्पष्ट किया गया है।

अद्भुत स्वरूप हैं महालक्ष्मी के

1. लक्ष्मी : लक्ष्मी नाम से प्रसिद्ध ऐश्वर्य एवं कल्याण की वृष्टि करने वाली यह देवी सर्वविदित है। इनका लक्ष्मी नाम से वर्णन पुराण एवं कई तन्त्र ग्रंथों में हुआ है। लक्ष्मीतंत्र नाम के तंत्र ग्रंथ में इनका मूल स्वरूप लक्ष्मी नाम से प्रकट किया गया है।

2. महिषमर्दिनी : माँ लक्ष्मी का महिषमर्दिनी रूप मार्कण्डेय पुराण में उल्लिखित है। मार्कण्डेय पुराण के अध्याय दुर्गासप्तशती के नाम से भी जाने जाते हैं। दुर्गासप्तशती में मध्यचरित की देवी महालक्षी हैं, जिन्होंने महिष नामक दैत्य का अन्त किया था और समस्त देवताओं तथा सामान्यजन को पीड़ा से छुटकारा दिलाया था। इनका प्राकट्य त्रिशक्ति और सभी देवताओं के शरीर से हुआ था।

3. कमला : कमला दशमहाविद्याओं में से अंतिम महाविद्या है। कमल पर आसीन होने के कारण इन्हें कमला कहा जाता है। यह महालक्ष्मी का ही एक रूप है। इन्हें विभिन्न प्रकार के सुख, द्रव्य, समृद्धि प्रदान करने वाली देवी के रूप में माना जाता है।

4. भृगुतनया: विष्णु पुराण में माँ लक्ष्मी को भृगु ऋषि और ख्याति की पुत्री बताया गया है। इसलिए माँ लक्ष्मी को भृगुतनया कहा जाता है।

5. समुद्रतनया : दुर्वासा ऋषि के शाप से माँ लक्ष्मी समुद्र में विलीन हो गई थीं। पुनः इनका प्राकट्य समुद्र से होने के कारण इन्हें समुद्रतनया कहा जाता है।

6. रमा : माँ लक्ष्मी कामदेव की माँ हैं। उनकी सृष्टि के नियमों का पालन करवाने में कामदेव का प्रमुख योगदान था। वे अपनी मां लक्ष्मी जी के आदेश के अनुसार दण्ड भी दिया करते थे। माँ लक्ष्मी को पुत्र कामदेव से अत्यधिक स्नेह था। माँ लक्ष्मी का यह रूप रमा नाम से जाना जाता है।

7. श्री : श्री नाम माँ लक्ष्मी का भी है और ललिता बालत्रिपुर सुन्दरी का भी। एक बार लक्ष्मी जी ने कुल की अधिष्ठात्री देवी ललिता की कई वर्षों तक उपासना की थी। इस उपासना से प्रसन्न होकर ललिता ने अपना घर और नाम अर्थात् श्री और श्रीयंत्र दोनों माँ लक्ष्मी को प्रदान कर दिए तभी से माँ लक्ष्मी श्री के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

8. कीर्ति : लक्ष्मीतंत्र में माँ लक्ष्मी इन्द्र से अपने प्रमुख चार रूपों का वर्णन करते हुएएकहती हैं कि चार रूपों में विभक्त हूं। इनमें से कीर्ति नाम का द्वितीय रूप है, जो यश प्रदान करने वाला है।

9. जया : लक्ष्मीतंत्र में उल्लिखित कीर्ति रूप के समान ही जया रूप भी है। माा लक्ष्मी जया रूप में विजय प्रदान करती हैं।

10. माया : कीर्ति एवं जया के समान ही चतुर्थ रूप माया है। माया रूप में माँ लक्ष्मी सभी सुखों को प्रदान करती है।

11. वैष्णवी : माँ लक्ष्मी भगवान विष्णु की अर्धांगिनी हैं। भगवान विष्णु उन्हीं की शक्ति से सभी लीलाओं को रचते हैं। समुद्र से प्रकट होने पर माँ लक्ष्मी ने उनके वक्षस्थल में अपना निवास बनाया था। भगवान विष्णु को धारण करने के कारण ही वे वैष्णवी कहलाईं।

12. सीता : त्रेतायुग में जब भगवान विष्णु राम के रूप में प्रकट हुए, तो उनकी अर्धांगिनी के रूप में लक्ष्मी ने सीता के रूप में जन्म लिया था।

13. राधा एवं रुक्मणी : द्वापरयुग के अंत में जब भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया था, तब माँ लक्ष्मी ने उनकी शक्ति के रूप में राधा के रूप में जन्म लिया। रुक्मणी को भी माँ लक्ष्मी का रूप और श्रीकृष्ण की शक्ति माना जाता है।

14. आदिलक्ष्मी : आदिलक्ष्मी अष्टलक्ष्मी में से एक है, जिनके एक हाथ में कमल है तो दूसरे हाथ में सफेद झंडा है और अन्य दो हाथों में अभयमुद्रा एवं वरमुद्रा है।

15. ऐश्वर्य लक्ष्मी : ऐश्वर्य लक्ष्मी अष्ट लक्ष्मी मूर्तियों में द्वितीय लक्ष्मी हैं। ये भी चार भुजाओं वाली हैं और सफेद वस्त्र धारण करती हैं।

16. धन लक्ष्मी : धनलक्ष्मी छह हाथों वाली है और लाल वस्त्र धारण करती है। इनके हाथ में चक्र, दूसरे में शंख, तीसरे में अमृत कलश, चौथे में धनुष-बाण, पांचवें में कमल तथा छठा हाथ अभयमुद्रा रूप में है। ये निरंतर मुद्राओं की वर्षा करती हैं।

17. धान्यलक्ष्मी : धान्यलक्ष्मी आठ भुजाओं वाली है। हरे वस्त्र धारण करती है। इनके हाथों में क्रमशः कमल, गदा, फसल, गन्ना, केला, अभय एवं वरमुद्रा है।

18. गज लक्ष्मी : गजलक्ष्मी अष्टलक्ष्मी में से एक है। इनके चार भुजाएं हैं और ये लाल वस्त्र धारण करती हैं। इनके पीछे दो हाथी होते हैं, जो जल कलशों से इन पर वर्षा कर रहे हैं।

19. सन्तान लक्ष्मी : सन्तान लक्ष्मी छह हाथों वाली हैं। इनके हाथ में क्रमशः कलश, तलवार, ढाल, वर मुद्रा और एक भुजा में बच्चा है। बच्चे के हाथ में एक कमल है। इनकी उपासना श्रेष्ठ सन्तति प्रदान करने वाली है।

20. वीर लक्ष्मी : वीर लक्ष्मी आठ भुजाओं वाली हैं और लाल वस्त्र धारण करती हैं। इनके हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, धनु-बाणष त्रिशूल, पुस्तक, अभयमुद्रा और वरमुद्रा है।

21. विजयलक्ष्मी : विजयलक्ष्मी अष्ट लक्ष्मियों में से एक हैं। ये आठ भुलाओं वाली हैं, जो लाल वस्त्रों को धारण करती हैं। इनके हाथों में चक्र, शंख, तलवार, ढाल, कमल, पाश और अभयमुद्रा है।

श्री महालक्ष्मी का पूजन क्यों?

लक्ष्मी जी के पूजन के साथ अन्य देवी-देवताओ का भी पूजन क्यों किया जाताहै, यह प्रश्न एक बार कुछ महर्षियों और मुनियों ने सनत कुमार से पूछा तो सनत कुमार ने बताया कि लक्ष्मी जी जब समस्त देवी-देवताओं के साथ राजा बलि के यहां बंधक थीं, तब भगवान विष्णु ने उन्हें सभी देवताओं के साथ दीपावली के दिन ही बलि की कैद से मुक्त कराया था और बलि की कैद से मुक्ति पाकर लक्ष्मी तथा सभी देवता जाकर क्षीरसागर में सो गए।

श्री महालक्ष्मी के साथ अन्य देवी-देवताओं के भी पूजन का यही उद्देश्य है कि क्षीरसागर को छोड़कर हमारे घर समस्त देवी-देवताओं के साथ पधारें और लक्ष्मी के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं की कृपा दृष्टि भी हम पर सदैव बनी रहे।

ऐसे करें लक्ष्मी पूजन

दीपावली के दिन जहां व्यापारी वर्ग अपनी दुकान या प्रतिष्ठान पर दिन में लक्ष्मी का पूजन करता हैं, वही दूसरी ओर गृहस्थ सांय प्रदोष काल में महालक्ष्मी का आह्वान करते हैं। गोधूलि लग्न में पूजा आरंभ करके महानिशीथ काल तक अपने-अपने अस्तित्व के अनुसार महालक्ष्मी के पूजन को जारी रखा जाता है। इसका अभिप्रायः यह है कि जहां गृहस्थ और वाणिज्य वर्ग के लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि और वित्तकोष की कामना करते हैं, वहीं साधु-संत और तांत्रिक कुछ विशेष सिद्धियां अर्जित करने के लिए रात्रिकाल में अपने तांत्रिक षटकर्म करते हैं।

पूजन की सामग्री

महालक्ष्मी पूजन में केशर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, सूखे, मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, दीपक, रूई तथा कलावा नारियल और तांबे का कलश चाहिए।

सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक स्वास्तिक

सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के तरीकों में स्वस्तिक का महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए स्वास्तिक ने मंगल चिन्हों में प्रतिष्ठा प्राप्त की है। मंगल प्रसंगों के अवसर पर पूजा स्थान तथा दरवाजे की चौखट और प्रमुख दरवाजे के आसपास स्वास्तिक चिन्ह बनाने की परंबरा है। वे स्वास्तिक कतई परिमाण नहीं देते, जिनका संबंध प्लास्टिक, लोहा, स्टील या लकड़ी से हो। सोना, चांदी, तांबा अथवा पंचधातु से बने स्वास्तिक प्राण प्रतिष्ठित करवाकर चौखट पर लगवाने से सुखद परिणाम देते हैं, जबकि रोली-हल्दी-सिन्दूर से बनाए गए स्वास्तिक आत्मसंतुष्टि ही देते हैं।

अशांति दूर करने तथा पारिवारिक प्रगति के लिए स्वास्तिक यंत्र रवि-पुष्य, गुरू-पुष्य तथथ दीपावली के अवसर पर लक्ष्मी श्रीयंत्र के साथ लगाना लाभदायक है। अकेला स्वास्तिक यंत्र ही एक लाख चौबीस धनात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है। वास्तुदोष के निवारण में भी चीनी कछुआ 700 चौबीस भर देने की क्षमता रखता है, जबकि गणेश की प्रतिमा और उसका वैकल्पिक स्वास्तिक आकार एएलाख चौबीस की समानता रहने से प्रत्येक घर में स्थापना वास्तु के कई दोषों का निवारण करने की शक्ति प्रदान करता है।

गाय के दूध, गाय के दूध से बने हुएएदही और घी, गोनीत, गोबल जिसे पंचगव्य कहा जाता है, को समानुपात से गंगाजल के साथ मिलाकर आम अथवा अशोक के पत्ते से घर तथा व्यावसायिक केंद्रों पर प्रतिदिन छिड़काव करने से ऋणात्मक ऊर्जा का संहार होता है। तुलसी के पौधे के समीप शुद्ध घी का दीपक प्रतिदिन लगाने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बिहार में हार के बाद बोले तेजस्वी यादव, कुर्सी पर नीतीश कुमार लेकिन जनता के दिल में हम!

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव, जिनकी पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा कि भले ही कोई और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे, जनता का जनादेश हमारे पक्ष में स्पष्ट था। तेजस्वी यादव ने महागठबंधन के पक्ष में मतदान करने के लिए बिहार के लोगों को धन्यवाद दिया, और कहा, फ्जनादेश महागठबंधन का पक्षधर था, लेकिन चुनाव आयोग का परिणाम एनडीए के पक्ष में था। यह पहली बार नहीं हुआ है। 2015 में, जब महागठबंधन बना था, तब वोट हमारे पक्ष में थे, लेकिन भाजपा ने सत्ता हासिल करने के लिए बैक-डोर एंट्री की। निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई कहते हुए, यादव ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मैकिंस (ईवीएम) की पर हार का ठीकरा फोड़ दिया। उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाते हुए डाक मतपत्रों की गिनती के स्थापित नियमों पर ध्यान आकर्षित करवाया।

भारतीय नौसेना में शामिल हुई 'स्कॉर्पीन' पनडुब्बी, जानें क्या है इसकी खासियत

मुंबई। भारतीय नौसेना ने स्कॉर्पीन श्रेणी की पांचवी पनडुब्बी 'वजीर' का मुंबई स्थित मझगांव गोदी में जलावतरण किया। रक्षा राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने वीडियो कान्फ्रेंस के जरिये पनडुब्बी का जलावतरण किया। 'वजीर' पनडुब्बी भारत में बन रहीं छह कालवेरी श्रेणी की पनडुब्बियों का हिस्सा है। इस पनडुब्बी को फ्रांसीसी समुद्री रक्षा और ऊर्जा कंपनी डीसीएनएस ने डिजाइन किया है और भारतीय नौसेना की परियोजना-75 के तहत इनका निर्माण हो रहा है। आईएनएस कालवेरी स्कॉर्पीन श्रेणी की पहली पनडुब्बी थी जिसका जलावतरण 2017 में किया गया था और इसके बाद खंडेरी, करंज और वेला पनडुब्बी का जलावतरण किया गया। अधिकारी ने बताया कि ये पनडुब्बियां सतह पर, पनडुब्बी रोधी युद्ध में कारगर होने के साथ खुफिया जानकारी जुटाने, समुद्र में बारूदी सुरंग बिछाने और इलाके में निगरानी करने में भी सक्षम हैं।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के अंडाल इलाके में अज्ञात हमलावरों ने तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या कर दी। हमले में दो अन्य लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि धर्मवीर नोनिया की मौके पर ही मौत हो गई। दो अज्ञात हमलावरों ने बुधवार रात करीब 11 बजे उस पर हमला किया था। हादसे में उसके दो साथी घायल भी हो गए। अधिकारी ने बताया कि हमलावरों की तलाश जारी है। तृणमूल के एक स्थानीय नेता ने घटना के पीछे राजनीतिक कारण होने की बात को खारिज करते हुए दोषियों को सजा दिए जाने की मांग की। भाजपा नेतृत्व ने हालांकि दावा किया कि कोयला क्षेत्र में लूट के बंटवारे को लेकर हुए गुटीय झगड़े के कारण यह घटना हुई।

आतंक पर बड़ी चोट, उल्फा के डेप्युटी कमांडर दृष्टि राजखोवा ने किया सरेंडर

नई दिल्ली। मेघालय-असम- बांग्लादेश बॉर्डर पर भारतीय सेना की खुफिया एजेंसियों द्वारा चलाए गए एक तेज और सुनियोजित ऑपरेशन में खूंखार कट्टर उल्फा (आई) नेता, एसएस कर्नल द्रष्टी राजखोवा ने चार साथियों एसएस कॉर्पोरल वेदांत, यासीन असोम, रोपज्योति असोम और मिथुन असोम के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। इनके पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं। यह ऑपरेशन पुष्ट इनपुट्स पर आधारित था। जो पिछले नौ महीनों में अथक खोज का परिणाम था। इनकी तलाश पिछले नौ महीने से की जा रही थी। बताया जा रहा है कि राजखोवा अभी सैन्य खुफिया अधिकारियों की हिरासत में है और उसे असम लाया जा रहा है। राजखोआ को यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) के 'कमांडर इन चीफ' परेश बरूआ का करीबी वफादार माना जाता है। राजखोवा हाल तक बांग्लादेश में रह रहा था और कुछ हफ्ते पहले मेघालय आया था। एक सुरक्षा विशेषज्ञ ने कहा कि राजखोआ के समर्पण से उग्रवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। उल्फा (आई) संप्रभु और स्वतंत्र असम की मांग करता रहा है। सरकार ने 1990 में संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था।

भाजपा नेता शांता कुमार ने पीएम को लिखा पत्र, दलाई लामा को भारत रत्न दिया जाना चाहिए

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)। भाजपा के वरिष्ठ नेता शांता कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने का अनुरोध किया है। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में संयुक्त राष्ट्र में तिब्बत मुद्दा उठाने की भी वकालत की है। कुमार ने कहा कि दलाई लामा को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दे कर भारत स्वयं को सम्मानित करेगा। उन्होंने कहा कि 1950 में जब चीन को तिब्बत पर अधिकार जमाने दिया गया, उस वक्त तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 'पाप किया'। भाजपा नेता ने कहा, 'आज चीन दुनिया में अकेला पड़ गया है।' उन्होंने कहा कि 1950 की गलती को सुधारने का यह सुनहरा अवसर है। शांता कुमार ने कहा, 'भारत द्वारा दलाई लामा को सम्मानित किए जाने और तिब्बत मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में उठाए जाने के दो कदमों से, चीन का पूरी दुनिया के सामने पर्दाफाश हो जाएगा।

चीन से तनाव के बीच रूस ने किया भारत को जल्द एस-400 मिसाइल सिस्टम देने का वादा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रूस ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें एस-400 की भारत को जल्दी आपूर्ति करने के लिए 'कठोर मेहनत' कर रहा है। इस हथियार प्रणाली की पहली खेप की आपूर्ति अगले साल के अंत तक होनी है। रूसी मिशन के उप प्रमुख रोमन बबुशिकन ने एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में यह भी कहा कि दोनों पक्ष परस्पर साजोसामान समर्थन (लॉजिस्टिक सपोर्ट) समझौते पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा दोनों पक्ष अरबों डॉलर के सौदे के करीब हैं जिसके तहत एक भारत-रूस संयुक्त उपक्रम भारतीय सशस्त्र बलों के लिए 200 कामोव केए-226टी युद्धक हेलीकॉप्टरों का उत्पादन करेगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या भारत और अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित मूल विनिमय एवं सहयोग समझौता (बेका) का भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा रूसी मूल के प्लेटफार्मों के संचालन में सुरक्षा संबंधी प्रभाव होंगे, उन्होंने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने हालांकि कहा कि भारत और रूस के रक्षा संबंध किसी भी प्रतिबंध और विदेशी हस्तक्षेप से परे हैं। उन्होंने कहा, ''हम भारत और अमेरिका सहित अन्य देशों के बीच रणनीतिक क्षेत्रों में संबंधों को काफी करीब से देख रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही हमें पूरा भरोसा है कि अन्य देशों के साथ भारत के विकसित हो रहे संबंध रूस के हितों की कीमत पर नहीं होंगे।''

बबुशिकन ने कहा, जहां तक भारत के साथ हमारे रक्षा सहयोग का सवाल है, यह किसी भी प्रतिबंध और विदेशी हस्तक्षेप से अप्रभावित है, क्योंकि यह दोनों देशों के राष्ट्रीय हितों को परिलक्षित करता है और हम अपने संबंधों में प्रगति के लिए आत्मविश्वास की खासी भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने एस-400 सौदे के बारे में कहा, फ्लिहाल समय सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहली खेप की आपूर्ति 2021 के अंत तक होने की उम्मीद है लेकिन हम उस आपूर्ति के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। भारत ने ट्रंप प्रशासन की चेतावनी के बीच अक्टूबर 2018 में एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों की पांच इकाइयों को खरीदने के लिए रूस के साथ पांच अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

उन्होंने कहा कि एक भारत-रूस संयुक्त उपक्रम के तहत 7,00,000 एके-47 203 राइफ्लों के निर्माण के लिए समझौता और कामोव हेलीकॉप्टर सौदा अंतिम चरण में हैं। भारत और रूस ने अक्टूबर 2016 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और दो रूसी रक्षा कंपनियों के बीच संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए एक व्यापक समझौते को अंतिम रूप दिया था। इसके तहत भारतीय सशस्त्र बलों के लिए 200 कामोव केए-226टी हेलिकॉप्टर खरीदे जाएंगे। भारत और रूस ने दो महीना पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मास्को यात्रा के दौरान एके-203 राइफ्लों के निर्माण के लिए करार को अंतिम रूप दिया था।

परस्पर साजोसामान समर्थन समझौता (एमएलएसए) के बारे में बबुशिकन ने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग, खासकर हिंद महासागर क्षेत्र में, को प्रगाढ़ बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश कई अन्य सैन्य खरीद कार्यक्रमों पर भी काम कर रहे हैं। इनमें भारत को एसयू-30 एमकेआई विमानों की पहली खेप की आपूर्ति शामिल है। बबुशिकन ने कहा कि आगामी एयरो-इंडिया कार्यक्रम में रूस अपनी सबसे बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहता है। इस कार्यक्रम को एशिया में सबसे बड़ी एयरोस्पेस प्रदर्शनी माना जाता है। यह प्रदर्शनी फरवरी में बेंगलुरु में होगी। उन्होंने कहा, ''इसमें हमारी रक्षा साझेदारी में नए विकास भी दिखेंगे।

21वीं सदी में विकास ही राजनीति का आधार, नारी शक्ति भाजपा के 'साइलेंट वोटरों' का समूह: मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव और विभिन्न राज्यों के उपचुनावों के परिणामों ने साबित कर दिया है कि 21वीं सदी में ''विकास'' ही राजनीति का आधार होगा। साथ ही उन्होंने भाजपा को लगातार मिल रही जीत का श्रेय नारी शक्ति को दिया और उन्हें भाजपा के ''साइलेंट'' मतदाताओं का सबसे बड़ा समूह बताया। प्रधानमंत्री ने परिवारवादी पार्टियों को लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सफलता को 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'' के मंत्र की जीत करार दिया। मोदी बिहार विधानसभा चुनाव और देश के विभिन्न राज्यों के उपचुनावों में भाजपा को मिली विजय के उपलक्ष्य में भाजपा मुख्यालय में आयोजित धन्यवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर भी जोरदार हमला बोला और कहा कि जो लोग लोकतांत्रिक तरीकों से मुकाबला नहीं कर पा रहे है, उन्होंने भाजपा के कार्यकर्ताओं की 'हत्या' करने का रास्ता अपनाया है। मोदी ने अपने संबोधन में एक बार फिर सार्वजनिक मंच से स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बिहार में राजग का नेतृत्व करेंगे, भले ही उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड का प्रदर्शन भाजपा के मुकाबले अच्छा न रहा हो। बिहार को अपने लिए सबसे खास बताते हुए मोदी ने कहा, 'आप आज बिहार के चुनाव नतीजों के बारे में पूछेंगे तो मेरा जवाब भी जनता के जनादेश की तरह स्पष्ट और साफ सुथरा है। चुनाव जीतने का एक ही रहस्य है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र की जीत हुई है बिहार में।' बिहार की जीत को विकास कार्यों की भी जीत बताते हुए मोदी ने कहा कि राज्य की जनता ने एक बार फिर साफ कर दिया कि उसे क्यों लोकतंत्र की ज़मीन कहा जाता है। उन्होंने कहा, 'आपने फिर सिद्ध किया है कि वाकई, बिहारवासी पारखी भी हैं और जागरूक भी।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आत्मनिर्भर बिहार के संकल्प के लिए बिहार ने जो अपार प्यार दिया है, उससे मैं और हमारी पूरी टीम अभिभूत है। हम सभी भाजपा के कार्यकर्ता नीतीश जी के नेतृत्व में हर बिहारवासी के साथ इस संकल्प को सिद्ध करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे।' उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि बिहार में तीन बार सरकार में रहने के बाद भाजपा ही एकमात्र पार्टी है, जिसकी सीटों में बढ़ोतरी हुई। उल्लेखनीय है कि बिहार में पहली बार भाजपा जदयू से अधिक सीटें जीतने में सफल रही है। भाजपा को जहां 74 सीटें मिलीं, वहीं जदयू 43 सीटों पर सिमटकर रह गई। मोदी ने देश की नारी शक्ति को भाजपा के 'साइलेंट वोटरों' का सबसे बड़ा समूह बताया और कहा कि उनकी गूंज चुनावी नतीजों में भी सुनाई देने लगी है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन काल में महिला केंद्रित योजनाओं के माध्यम से उनका सम्मान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की वजह से ऐसा हुआ है। मोदी ने कहा 'अब साइलेंट वोटरों की गूंज सुनाई देने लगी है। भाजपा के पास साइलेंट वोटरों का एक ऐसा वर्ग है जो उसे बार-बार वोट दे रहा है। निरंतर वोट दे रहा है। और ये साइलेंट वोटर हैं देश की माताएं, बहनें, महिलाएं और देश की नारी शक्ति।' उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी इलाकों तक महिला मतदाता ही भाजपा का सबसे बड़ा 'साइलेंट वोटरों' का समूह बन गया है।

कांग्रेस का आरोप, देश की अर्थव्यवस्था का सच छुपा रही हैं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट संबंधी अनुमान को लेकर बृहस्पतिवार को दावा किया कि देश की अर्थव्यवस्था भयानक मंदी की चपेट में है और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस खबर को दबाने के लिए ही पैकेज की घोषणा की। पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने यह भी आरोप लगाया कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोई योजना नहीं है। खबरों के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में जीडीपी में 8.6 फीसदी सिकुड़ जाएगी। पूर्व वित्त मंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इतिहास में पहली बार अर्थव्यवस्था मंदी में चली गई। जो आंकड़े आ रहे हैं उनसे संकेत मिलताहै कि दूसरी तिमाही में जीडीपी में 8.6 फीसदी की गिरावट आई। लगातार दो तिमाही में नकारात्मक विकास दर का मतलब भयानक मंदी है।'' उन्होंने कहा, ''मौजूदा समय में चार कदमों की जरूरत है। पहला यह कि किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिले। उन्हें पूरा न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना चाहिए। मांग को बढ़ाने की जरूरत है। नए रोजगार के सृजन की जरूरत है। राज्यों को केंद्र की ओर से अधिक पैसा दिया जाए।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि यह पहली बार हो रहा है कि जीडीपी विकास दर में कमी नहीं, बल्कि खुद जीडीपी ही घट गई है। उन्होंने दावा किया, '' मोटी-मोटी घोषणाएं की गई हैं और इनका क्या असर होगा, यह आगे पता चलेगा। लेकिन वित्त मंत्री ने रिजर्व बैंक के अनुमान से जुड़ी खबर को दबाने के लिए ही पैकेज की घोषणा की।''

पंजाब ने तोड़ा पराली जलाने में पिछले चार साल का रिकॉर्ड, दिल्ली में दिखा असर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पिछले तीन सालों की तुलना में 1 सितंबर से 10 नवंबर के बीच पंजाब में इस साल सबसे ज्यादा पराली जलाने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। इस साल पंजाब में पराली के जलने की घटनाओं ने चार साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शनिवार 7. नवंबर तक राज्य में 57,686 फील्ड फायरिंग हुई, 2019 में, राज्य में पूरे धान की कटाई के मौसम में 55,210 की आग दर्ज की गई। साल 2018 और 2017 में धान की कुल संख्या में क्रमशः 50,590 और 45,384 आग लगी थी।बता दें कि आग की घटनाओं ने पिछले साल के आंकड़े को 2,476 मामलों से पार कर लिया है। पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर , लुधियाना के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को राज्य में 4,716 आग लगी है।

पंजाब में 74,000 स्टबल मैनेजमेंट मशीन, विभिन्न आयोगों और समितियों के गठन, 8,000 नोडल अधिकारियों को नियुक्त करने के बावजूद इस साल का आंकड़ा 60,000 के करीब पहुंच गया है। शनिवार को संगरूर में सबसे अधिक 752 आग की घटनाएं दर्ज की गईं, इसके बाद बठिंडा में 612 और 584 फील्ड फायर से मोगा तीसरे स्थान पर पहुंच गया था। बरनाला, मनसा और मुक्तसर में 400, 397 और 360 सेक्टर की फील्ड फायर दर्ज की गई। पिछले चार सालों की तरह, इस साल भी संगरूर टॉप पर है और अब तक 7,000 से अधिक पराली जलने के मामले सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक, साल 2017, 2018 और 2019 में भी, संगरूर ने 6,968 , 6,862 और 7,021 के साथ सभी जिलों में सबसे अधिक पराली जलाने के मामले दर्ज किए गए।

पीआरसीएस रिकॉर्ड के मुताबिक, पिछले चार सालों में, आधे से दर्जन जिले - संगरूर, बठिंडा, फ़िरोज़पुर, पटियाला, मुक्तसर, मनसा और मोगा में पराली के जलाने की घटनाएं टॉप जिलों में से हैं। इस साल, तरनतारन जिले में भी बहुत अधिक संख्या में पराली जलने की घटनाएं सामने आई हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आग की संख्या अब और बढ़ेगी क्योंकि राज्य में गेहूं की बुआई पहले ही हो चुकी है और किसान खेतों को साफ करने की जल्दी में हैं और पराली जलाना उनके लिए सबसे आसान और अच्छा तरीका है,'।

एक्शन में योगी आदित्यनाथ, प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने के लिए बनाया ये प्लान!

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि मिशन रोजगार के तहत विभिन्न विभागों, संस्थाओं एवं निगमों के समन्वित प्रयास से प्रदेश के नौजवानों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यहां अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के नवचयनित 1438 जूनियर इंजीनियर्स को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद कहा कि राज्य सरकार की नीति है कि पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं भेदभाव रहित ढंग से विभिन्न पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी की जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं का चयन एवं पदस्थापन उनकी योग्यता और क्षमता के आधार पर किया जा रहा है, जिससे उनकी ऊर्जा और कौशल का प्रदेश के विकास के लिए पूरा उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर नव चयनित अभियंताओं से बात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा अच्छे जनप्रतिनिधियों और सरकार का चुनाव किये जाने पर निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से ही काम किया जाता है। उन्होंने भरोसा जताया कि जिस निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, उसी तरह वे पूरी निष्ठा, तन्मयता एवं प्रतिबद्धता के साथ अपना फर्ज निभाएंगे। योगी ने कहा कि जलशक्ति विभाग द्वारा अभियन्ताओं का निष्पक्ष चयन एवं पदस्थापन अन्य विभागों के लिए उदाहरण है। इस जनशक्ति से जलशक्ति विभाग की ताकत बढ़ेगी।

दिल्ली प्रदूषण: स्थिति में सुधार लेकिन वायु गुणवत्ता अब भी बेहद खराब

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता बृहस्पतिवार को 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज की गई लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि स्थिति दो दिन पहले की तुलना में 'काफी बेहतर' है, जब प्रदूषण का स्तर आपात से भी ऊपर पहुंच गया था। सरकारी एजेंसियों और मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि हवाओं की दिशा उत्तर पश्चिम से बदलकर उत्तर-उत्तर पूर्व होने से प्रदूषण स्तर में गिरावट दर्ज की गई क्योंकि हवा की दिशा की वजह से पराली जलने से दिल्ली में प्रदूषण की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय कमी आई। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक सुबह नौ बजे 315 दर्ज किया गया। बुधवार और मंगलवार को 24 घंटे का औसत सूचकांक क्रमश- 344 और 476 दर्ज हुआ।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली में लगातार छह दिनों तक चार नवंबर से नौ नवंबर के बीच प्रदूषण स्तर 'गंभीर' श्रेणी में बना रहा था। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले दिल्ली के पड़ोसी शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक फरीदाबाद में 306, गाजियाबाद में 336, नोएडा में 291, ग्रेटर नोएडा में 322, गुड़गांव में 261 दर्ज किया गया। ये सूचकांक 'खराब' और 'बेहद खराब' श्रेणी में आते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने बताया, 'मंगलवार की तुलना में स्थिति बेहतर है।' उन्होंने बताया कि हवा की दिशा में बदलाव से पंजाब और हरियाणा से पराली का धुआं पहले की तरह इधर नहीं आ पा रहा है। अधिकारी ने बताया कि हालांकि, शुक्रवार को आंशिक तौर पर वायु गुणवत्ता में गिरावटकी संभावना है। आईएमडी ने बताया कि सुबह हवा की गति शांत थी और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शांत हवा और न्यूनतम तापमान से प्रदूषण तत्व सतह के करीब रहते हैं जबकि हवा में तेजी से इन कणों का बिखराव होता है।

सफदरजंग वेधशाला ने सुबह में हल्की धुंध दर्ज की और दृश्यता का स्तर 800 मीटर था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी इकाई 'सफर' ने बताया कि हवा की दिशा में बदलाव की वजह से पराली जलने के कारण शहर में प्रदूषण की हिस्सेदारी कम रही। दिल्ली के पीएम 2.5 में पराली जलने से प्रदूषण की मात्रा सिर्फ तीन फीसदी दर्ज की गई, जो कि बेहद कम है। सीपीसीबी ने बुधवार को हॉट मिक्स संयंत्रों और पत्थर तोड़ने का काम करने वाली मशीनों (स्टोन क्रशर) पर 17 नवंबर तक प्रतिबंध लगा दिया क्योंकि त्योहारी मौसम की वजह से प्रदूषण का स्तर बढ़ने की आशंका है। वहीं पंजाब और हरियाणा सरकार से भी पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में प्रशासन को जैव ईंधनों के जलने पर निगरानी रखने को कहा गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)